E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 19 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, रविवार 02 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

नोएडा प्राधिकरण की बड़ी लापरवाही, पंप के हौदे में गिरने से चार साल के मासूम की मौत

नोएडा। नोएडा में एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था और नोएडा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-123 की ग्रीन बेल्ट में बने खुले पंप की होदी में गिरने से चार वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई।

इस हादसे के बाद परिजनों में गहरा शोक है, जबकि स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों का आरोप है कि यदि संबंधित स्थान पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए होते और खुले पंप की होदी को सुरक्षित ढंग से ढका गया होता, तो यह हादसा टाला जा सकता था। जानकारी के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान फिरोज आलम उर्फ गोलू (4 वर्ष) पुत्र मुराजुद्दीन निवासी ग्राम खर्तौना, थाना अटरिया, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। परिवार वर्तमान में पर्थला गोलचक्कर के पास सेक्टर-123 स्थित झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में रह रहा था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को बच्चा पानी पीने के लिए गया था। इसी दौरान वह ग्रीन बेल्ट में बने खुले पंप की होदी में गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकालने की कोशिश की और घटना की सूचना पुलिस को दी।

पाकिस्तानी आतंकियों की रडार पर सीएम शुभेंदु!: जंतर-मंतर प्रोटेस्ट पर थी उपद्रव की तैयारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी आतंकियों के निशाने पर है। इसका खुलासा राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स STF ने की है। टास्क फोर्स ने आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसटीएफ ने दावा किया और कहा कि इस गिरोह के तार सीधे पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़े हुए मिले हैं। बंगाल एसटीएफ के आईजी गौरव शर्मा ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान वह करते हैं कि इस मामले में हमीम मंडल और अर्पिता सरकार (झारखंड के साहिबगंज की रहने वाली) को अरेस्ट कर लिया है।

इस मामले की शुरुआत, तब हुई थी, जब हावड़ा के एक वरिष्ठ मंत्री को रंगदारी की धमकी मिली थी। साथ ही उनके बेटे के अपहरण की साजिश रचने की खबर मिली थी। जांच के दौरान पुलिस को मिला कि झारखंड के साहिबगंज से एक संदिग्ध के सोशल मीडिया हैंडल का पता मिला था। इसके बाद इस हैंडल की गहराई से जांच की गई, तो इस दौरान बर्दवान के रहने वाले हमीम मंडल का नाम सामने आया। हमीम का नाम सामने आने के बाद उसके डिजिटल फुटप्रिंट और व्हाट्सएप-टेलीग्राम चैट की पड़ताल की गई, जहां पर वो 'राणा', 'आबिद जट', 'उज़ैर' और 'हाद' नाम के कई संदिग्ध हैंडल से लगातार बातचीत कर रहा था। ये सभी हैंडल पाकिस्तान से संचालित हो रहे थे।

कुलगाम आतंकी हमला: जम्मू-कश्मीर सीएम ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने का किया ऐलान, महबूबा मुफ्ती ने उठाए सवाल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कुलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिजनों आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। सीएम ने कहा कि मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष (CMRF) से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। ये राशि जिला प्रशासन की तरफ से दी जाने वाली 6-6 लाख रुपये से अलग होगी। वहीं, दूसरी तरफ राज्य की पूर्व सीएम और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी प्रतिक्रिया दी है। उमर अब्दुल्ला ने बताया कि कुलगाम में दो मजदूरों की हत्या कर दी है। जिसकी मैं कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पीड़ित परिवार के इस मुश्किल समय में मजबूती के साथ खड़ी है और उनकी हर संभव सहायता की जाएगी। बता दें कि इस हमले में छत्तीसगढ़ के रहने वाले दीपक रात्रे और भूपेंद्र की जान चली गई। दोनों जम्मू-कश्मीर काम करने के लिए आए थे। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि बेकसूर प्रवासी मजदूरों को आतंकियों ने निशाना बनाया है, जो अकल्पनीय और क्रूर है। इसके साथ ही उन्होंने अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच आतंकियों ने इस घटना को अंजाम दिया। इससे सुरक्षा व्यवस्था की नाकामी दिखाई देती है। उन्होंने कहा, 'ये मजदूर अपने घरों से दूर जाकर कड़ी मेहनत करते हैं। सिर्फ अपने परिवारों का पेट पालने के लिए इसलिए उन्हें निशाना बनाना बेहद क्रूर है।

महबूबा ने कहा कि यह हमला भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद हुआ जिसके कारण अमरनाथ यात्रा के दौरान इलाके के लोगों को बहुत परेशानी होती है और इसके बावजूद ऐसे हमले हो रहे हैं।' हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस, सेना और केंद्रीय सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने घटनास्थल तथा आसपास के इलाकों की घेराबंदी कर संदिग्धों की तलाश तेज कर दी है। अधिकारियों के अनुसार हमले में शामिल आतंकियों की पहचान और उनके नेटवर्क का पता लगाने के लिए तकनीकी एवं खुफिया साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

प्रशासन ने मृतकों के पार्थिव शरीर को आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद उनके गृह राज्य भेजने की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। जिला प्रशासन के अधिकारी पीड़ित परिवारों के संपर्क में हैं और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है।

संबंधित राज्यों के प्रशासन के साथ भी समन्वय स्थापित किया जा रहा है, ताकि सहायता और मुआवजा प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने भी इस आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कई नेताओं ने कहा कि निर्दोष नागरिकों और रोजगार की तलाश में आए प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है तथा ऐसे कृत्यों को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस बीच सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी है और प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने नीट-पीजी 2026 की तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को स्नातकोत्तर के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। यह समीक्षा परीक्षा का आयोजन सुचारू, सुरक्षित, पारदर्शी एवं तकनीकी-आधारित सुनिश्चित करने के लिए की गई जो 30 अगस्त 2026 को होने वाली है। समीक्षा के दौरान, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस), तकनीकी सहयोगी एवं परीक्षा आयोजित करने में शामिल अन्य हितधारकों की तैयारियों का अवलोकन किया। उन्हें परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं, उम्मीदवारों की सुविधाओं, सुरक्षा इंतजामों एवं नीट-पीजी-2026 के लिए शुरू किए गए तकनीकी-आधारित उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। मंत्री ने दृढ़ता से कहा कि ईमानदारी एवं सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए एक निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उम्मीदवारों के अनुकूल परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए। नीट-पीजी-2026 परीक्षा के लिए कुल 2,73,183 उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक अपना पंजीकरण कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.5 प्रतिशत से ज्यादा है। यह परीक्षा पूरे देश के लगभग 340 शहरों और 1,300 से ज्यादा परीक्षा केंद्रों पर एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी, जिससे देश के उम्मीदवारों के लिए परीक्षा देना बहुत सुविधाजनक हो जाएगा। उन्होंने बताया कि अंतिम प्रश्न पत्र परीक्षा शुरू होने से थोड़ी देर पहले अत्यधिक सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड एवं समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाता है, जिसमें कई स्तरों पर तकनीकी एवं संचालन सुरक्षा उपाय किए जाते हैं ताकि निर्धारित समय तक इसकी गोपनीयता बनी रहे। केंद्रीय मंत्री ने परीक्षा के लिए किए गए व्यापक सुरक्षा इंतजामों की भी समीक्षा की।

मैं न तो भाजपा हूं, न ही कांग्रेस, गीतांजलि अंगमो के सोशल मीडिया पोस्ट ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' शब्द के उल्लेख पर टिप्पणी के बाद पर्यावरण और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो का एक और सोशल मीडिया पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है। गीतांजलि ने अपनी पोस्ट में कहा, मैं न तो भाजपा हूं, न ही कांग्रेस। न संघी, न कम्युनिस्ट। न वामपंथी, न दक्षिणपंथी। न समाजवादी, न पूंजीवादी। न उदारवादी, न रूढ़िवादी। न दलित, न ब्राह्मण। न जैन, न बौद्ध, न हिंदू, न पंजाबी, न ओडिया, न लद्दाखी। मैं ये सब हूं, और इनसे भी कहीं ज्यादा। इन सभी 'वादों' से परे। मैं हर चीज से सबसे अच्छी बातें अपनाती हूं और बाकी को छोड़ देती हूं। उन्होंने कहा कि जब हम अपने असीम स्वरूप को इंसानों की बनाई हुई श्रेणियों में सीमित करते हैं, तो हम खुद को ही कमतर कर लेते हैं। हमारी सबसे गहरी पहचान न तो राजनीतिक है, न सामाजिक, न धार्मिक और न ही वैचारिक। वह तो स्वयं चेतना है।

प्रधानमंत्री से पूछे सवाल?: 'प्रदर्शन के दौरान लड़कियों की बेरहमी से पिटाई' पीएम मोदी के छात्रों के माफ करने वाले वीडियो पर अभिजीत का तंज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया वीडियो के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके की प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है कि पीएम मोदी को उन प्रदर्शनकारी लड़कियों से भी माफी मांगनी चाहिए, जिनकी प्रोटेस्ट के दौरान बेरहमी से पिटाई कर दी गई थी। पीएम मोदी ने शुक्रवार देर रात एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें उन्होंने उन प्रदर्शनकारियों को माफ कर दिया था, जिन्होंने उन्हें गालियां दी थी। अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी प्रोटेस्ट के दौरान पुरुष पुलिस अधिकारियों ने कुछ लड़कियों की बेरहमी से पिटाई कर दी थी। इस मामले में दीपके ने पीएम मोदी से माफी मांगने की बात कही है। अभिजीत ने पीएम मोदी के 31 जुलाई को जारी हुए वीडियो पर ये टिप्पणी की है। जिसमें पीएम मोदी करते हैं कि वह उन आंदोलनकारियों को माफ करना चाहते हैं, जिन्होंने उन्हें और उनकी स्वर्गीय मां को लेकर अपशब्द कहे थे। सीजेपी संस्थापन के आगे कहा कि पीएम मोदी शनिवार रात को एक वीडियो जारी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मोदी जी रात एक नया वीडियो अपलोड करेंगे। इसलिए उम्मीद है कि वह माफी मांगेंगे। वह 20 जुलाई को हुए लाठीचार्ज के लिए माफी मांगेंगे।' दीपके ने आगे कहा कि क्या सिर्फ मीडियो के जरिए उन्हें माफ करेंगे या फिर छात्रों के खिलाफ दर्ज केस भी वापस लेंगे। इसके साथ उन्होंने यह भी पूछा कि क्या उन आईटी सेल सदस्यों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज होगा, जिन्होंने इतने सालों तक महिलाओं के साथ बेहद ही बुरा व्यवहार किया है? प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश के

बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर भी तेज हो गया है। विभिन्न संगठनों और नेताओं की ओर से घटना, पुलिस कार्रवाई तथा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि यदि सरकार संवाद और मेल-मिलाप का संदेश देना चाहती है, तो प्रदर्शन के दौरान हुई कथित घटनाओं पर भी स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। अभिजीत दीपके ने अपने वीडियो संदेश में मांग की कि यदि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों पर सरकार पुनर्विचार करती है, तो इसकी जानकारी सार्वजनिक रूप से दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या प्रदर्शन के दौरान दर्ज मामलों को वापस लेने या उनकी समीक्षा करने पर विचार किया जाएगा।

मुक्केबाजी में भारत का ऐतिहासिक धमाका, एक ही गेम्स में पहली बार जीते 5 गोल्ड मेडल

ग्लासगो। ग्लासगो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (CWG 2026) में शनिवार का दिन भारतीय मुक्केबाजी के लिए स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय मुक्केबाजों ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में पहली बार एक ही संस्करण में बॉक्सिंग के 5 गोल्ड मेडल अपने नाम किए। शनिवार को प्रीति पवार, जैस्मिन लांबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास और अरुंधति चौधरी ने अपने-अपने भार वर्ग में चैंपियन बनकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और जादुमणि सिंह को कड़ी टक्कर के बाद सिल्वर मेडल (रजत पदक) से संतोष करना पड़ा। मुक्केबाजी के फाइनल मुकाबलों का हाल : अरुंधति चौधरी (70kg - गोल्ड मेडल): अरुंधति ने महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग के एकतरफा फाइनल में इंग्लैंड की कैथले रीड को 5-0 से शिकस्त दी।

नीट-यूजी 2026 की काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू, 8 सितंबर से सत्र की शुरुआत : एनटीए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को घोषणा की कि नीट-यूजी 2026 के अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) के लिए काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू होगी और शैक्षणिक सत्र 8 सितंबर से शुरू होगा। एनटीए ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि नीट-यूजी 2026 के लिए अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) और राज्य कोटा काउंसलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एनटीए द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, अखिल भारतीय कोटा/मानित और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए काउंसलिंग का पहला चरण 4 अगस्त से 17 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 22 अगस्त और सत्यापन की तिथि 23 अगस्त है। राज्य कोटा काउंसलिंग का पहला चरण 13 से 22 अगस्त के बीच आयोजित किया जाएगा। एनटीए ने बताया कि शामिल होने वाले उम्मीदवारों का सत्यापन 29 अगस्त को किया जाएगा। इसी प्रकार, अखिल भारतीय कोटा काउंसलिंग का दूसरा चरण 24 अगस्त से 2 सितंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। राज्य कोटा काउंसलिंग का

दूसरा चरण 31 अगस्त से 8 सितंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। एनटीए ने बताया कि तीसरे दौर की काउंसलिंग और शेष रिक्तियों को भरने के बाद अखिल भारतीय कोटा और राज्य काउंसलिंग दोनों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर होगी। एनटीए ने कहा कि स्नातक पाठ्यक्रमों का शैक्षणिक सत्र 8 सितंबर से शुरू होगा। एनटीए ने मेडिकल कॉलेजों को संबोधित अपने परिपत्र में छुट्टियों के दिनों में भी प्रवेश प्रक्रिया जारी रखने का आह्वान किया है। एनटीए ने कहा कि समय सारिणी का पूर्णतया पालन सुनिश्चित करने और काउंसलिंग के लिए उपलब्ध सीमित समय को ध्यान में रखते हुए सभी भाग लेने वाले संस्थानों/कॉलेजों को निर्देश दिया जाता है कि वे सभी शनिवार/रविवार और राजपत्रित छुट्टियों को कार्य दिवस मानें। एनटीए ने आगे कहा कि प्रवेश करने वाले उम्मीदवारों का डेटा डीएमई/राज्य काउंसलिंग प्राधिकरणों द्वारा एमसीसी को तीसरे दौर की सीट प्रोसेसिंग के दौरान छंटनी के लिए साझा किया जाएगा। 3 मई को रद्द हुई नीट-यूजी 2026 परीक्षा में अनियमितताओं के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन के बाद, केंद्र सरकार ने हाल ही में 47 एनटीए पदाधिकारियों को बर्खास्त कर दिया और उनके खिलाफ कानूनी और आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का निर्णय लिया।

पीओके में हिंसा पर जेके स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने जताई चिंता, लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा की मांग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेकेएसए) ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रावलकोट, मुजफ्फराबाद, कोटली, मीरपुर और अन्य क्षेत्रों में जारी हिंसा तथा लोगों की मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। एसोसिएशन ने प्रदर्शनकारियों पर कथित बल प्रयोग, संचार सेवाओं पर प्रतिबंध और इंटरनेट बंद किए जाने की निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र से निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुहामी ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) के उस पार से सामने आ रही तस्वीरें और वीडियो बेहद दुखद और चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि हर मानव जीवन अनमोल है और किसी भी राजनीतिक मतभेद या प्रशासनिक विवाद के कारण निर्दोष लोगों की जान नहीं जानी चाहिए। उनके अनुसार, हिंसा का लगातार जारी रहना लोगों के दुख, अविश्वास और अलगाव को और बढ़ाता है। खुहामी ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित अत्यधिक बल प्रयोग की निंदा करते हुए नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों की मौत एवं घायल होने की घटनाओं पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता का सबसे अधिक असर छात्रों और युवाओं पर पड़ता है।

संपादकीय

भीख मांगने वाले बच्चों को चिन्हित कर उन्हें स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जाए

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में बाल अधिकारिता विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं संस्थाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि 'राज्य सरकार का उद्देश्य है कि बालिकाओं और बालकों को सुरक्षित आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक जीवन मिले। बालिकाओं के पुनर्वास के कार्य को प्राथमिकता से किया जाए। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ा जाए और यदि वे रोजगार की ओर बढ़ना चाहें तो उन्हें विभिन्न कौशल प्रशिक्षण दिए जाएं। बालिकाओं को माता-पिता के पास भेजने के लिए माता-पिता और बालिकाओं दोनों की प्रभावी काउंसलिंग की जाए।'

बैठक में उप मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश

1. बाल गृहों एवं बालिका गृहों का सुदृढीकरणः विभाग द्वारा संचालित बाल गृहों एवं बालिका गृहों के भवनों की आवश्यक मरम्मत तत्काल कराई जाए। वहां आवासित बालक-बालिकाओं को भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी सभी आवश्यक सेवाओं की निर्बाध प्रदायगी सुनिश्चित की जाए।

2. कौशल प्रशिक्षण एवं पुनर्वासः आवासित बालक-बालिकाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। बालिकाओं एवं उनके परिजनों की प्रभावी काउंसलिंग की व्यवस्था की जाए ताकि उनका सामाजिक पुनर्वास संभव हो सके।

3. शिशु गृहों में संसाधन विकासः शिशु गृहों में प्राप्त राशि का सदुपयोग कर वहां की व्यवस्थाओं एवं संसाधनों को और बेहतर बनाया जाए।

4. बजट उपयोग एवं मॉनिटरिंगः योजनाओं में प्राप्त बजट का समय पर उपयोग किया जाए। विभाग स्तर पर योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए और किसी प्रकार की देरी न हो।

5. सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चों का पुनर्वासः सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चों को चिन्हित कर उन्हें स्वयंसेवी संस्थाओं/एनजीओ के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जाए। इस कार्य को जयपुर में पायलट बेसिस पर शुरू किया जाए।

6.जयपुर की सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय बालक सम्प्रेषण गृह की मरम्मत का कार्य करवाये जाने के निर्देश दिए।

7. बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्वितिः बजट में की गई घोषणाओं को समय पर पूर्ण किया जाए।

बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार शर्मा, आयुक्त निकाय गोहेन एवं विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग की सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पात्र बच्चों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े प्रत्येक प्रकरण में संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए तथा बच्चों के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता दी जाए।

विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाल गृहों, बालिका गृहों और शिशु गृहों में रहने वाले बच्चों के लिए सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, मनोवैज्ञानिक परामर्श, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी तथा बाल उत्पीड़न जैसे मामलों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने और संबंधित संस्थाओं के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया।

वन नेशन, वन इलेक्शन की दिशा में बढ़ चुके हैं कदम- अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विधेयक लोकसभा में पेश किया जा चुका है और फिलहाल उसका अध्ययन संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा किया जा रहा है। बीकानेर में मेघवाल ने कहा कि राजस्थान में भी एक साथ चुनाव कराने की सकारात्मक शुरुआत दिखाई दे रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले बीकानेर निकाय चुनाव अलग से होते थे, जबकि अब बीकानेर नगर निगम, श्रीडूंगरगढ़ और देशनोक के निकाय चुनाव एक साथ कराए जा रहे हैं।

कोटा में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन : पुलिस और कार्यकर्ताओं में झड़प; बैरिकेड्स पर चढ़ने पर वाटर कैनन से खदेड़ा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटा। नीट (NEET) पेपर लीक और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ हुई पुलिसिया कार्रवाई के विरोध में शनिवार को कोटा में कांग्रेस का प्रचंड प्रदर्शन देखने को मिला। कलेक्ट्रेट का घेराव करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प और धक्का-मुक्की हुई। जब प्रदर्शनकारी उग्र होकर पुलिस के बैरिकेड्स पर चढ़कर अंदर घुसने की कोशिश करने लगे, तो हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने पानी की तेज बौछारें (वाटर कैनन) छोड़कर भीड़ को खदेड़ दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता दो अलग-अलग जत्थों के रूप में एकत्र हुए:

पहला जत्थाः पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के नेतृत्व में कार्यकर्ता उम्मेद सिंह स्टेडियम और उम्मेद क्लब नयापुरा से रवाना होकर अग्रसेन सर्किल, विवेकानंद सर्किल और एमबीएस अस्पताल के सामने से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। दूसरा जत्थाः शहर व देहात कांग्रेस के बैनर तले कार्यकर्ता लाडपुरा पंचायत समिति के बाहर एकत्र हुए। वरिष्ठ विधायक शांति धारीवाल कलेक्ट्रेट चौराहे से इस रैली में शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल अचानक मंच छोड़कर चले गए, जो चर्चा का विषय बना रहा।

जन्मदिवस एवं विवाह दिवस पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के माध्यम से मनाया गया

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। हर माह की तरह जुलाई माह के अंतिम दिन अखिल विश्व गायत्री परिवार वेदना निवारण केंद्र मानसरोवर जयपुर के तत्वाधान मे राजस्थान पेंशन समाज उप शाखा शासन सचिवालय जयपुर जल भवन के पास एनबीसी रोड हरिपुरा पेंशनर भवन पर इस माह जुलाई 2026 में पढ़ने वाले 45 सेवानिवृत्त कर्मचारी साथियों का जन्मदिवस एवं विवाह दिवस पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के माध्यम से मनाया गया। व्यास पीठ पर दिवाकर शर्मा और राजेश शर्मा ने यज्ञ का संचालन किया। दिवाकर शर्मा ने एक बुराई छोड़ने और एक अच्छाई ग्रहण करने का संकल्प करवाया। यज्ञ के पश्चात जन्मदिवस तथा विवाह दिवस वाले साथियों का माला एवं पटका पहनकर स्वागत सम्मान किया गया तथा आचार्य दिवाकर शर्मा एवं राजेश शर्मा का भी माला और पटका पहनकर भगवान सहाय मीणा जी द्वारा सम्मान किया गया।

राजस्थान पेंशनर समाज के अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर ने सबका धन्यवाद दिया। पत्तल प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी, गायत्री परिवार के कार्यकर्ता तथा पेंशनर समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र के उच्चारण और यज्ञ में आहुतियां देकर राष्ट्र, समाज तथा विश्व कल्याण की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने स्वस्थ, सक्रिय और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प भी लिया। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक आयोजन से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बीच आपसी आत्मीयता, सामाजिक जुड़ाव और पारिवारिक वातावरण को बढ़ावा मिलता है। जन्मदिवस और विवाह दिवस जैसे विशेष अवसरों को आध्यात्मिक वातावरण में मनाने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता की भावना मजबूत होती है।

मेगा बिजनेस प्रमोशन कैंप का आयोजन 21 अगस्त को

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान वित्त निगम (आरएफसी) द्वारा उद्यमियों को विभिन्न ऋण योजनाओं एवं उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 21 अगस्त को मेगा बिजनेस प्रमोशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान वित्त निगम के शाखा प्रबन्धक रिछपाल पावड़िया ने बताया कि शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे जिला उद्योग संघ, रानी बाजार, इंडस्ट्रियल एरिया के सभागार में राजस्थान वित्त निगम के कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि कैंप में राजस्थान वित्त निगम की विभिन्न ऋण योजनाओं, उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रमों तथा उद्यमियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही उपस्थित उद्यमियों की समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा कर मौके पर ही पात्र ऋण प्रकरणों के त्वरित निस्तारण का भी प्रयास किया जाएगा। उन्होंने जिले के उद्यमियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेने का आग्रह किया है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का नाल एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत, गार्ड ऑफ ऑनर से किया सम्मानित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शनिवार प्रातः बीकानेर के नाल एयरपोर्ट पहुंचे। उनके आगमन पर केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने आत्मीय स्वागत एवं अगवानी की। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, पुलिस महानिरीक्षक श्री ओम प्रकाश, जिला कलेक्टर श्री निशांत जैन, पुलिस अधीक्षक श्री मृदुल कच्छावा, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को नाल एयरपोर्ट पर पुलिस द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्वागत कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के लिए रवाना हुए, जहां वे निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के बीकानेर आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की थीं। एयरपोर्ट से लेकर उनके निर्धारित कार्यक्रम स्थलों तक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए गए। अधिकारियों ने राज्यपाल के दौरे के सभी कार्यक्रमों की पूर्व समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राज्यपाल विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वे विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों से संवाद करेंगे तथा कृषि शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार से जुड़े विषयों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

विश्वविद्यालय की विभिन्न विकास योजनाओं और अनुसंधान गतिविधियों की भी समीक्षा किए जाने का कार्यक्रम है। राज्यपाल के दौरे को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में विशेष तैयारियां की गई हैं। परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों में उनके आगमन को लेकर उत्साह का माहौल देखा गया।

विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाएं विश्वविद्यालय

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्यपाल श्री हरि भाऊ बागडे ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें बौद्धिक रूप से भी सशक्त बनाएं। राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ युवाओं के योगदान से देश को और अधिक सक्षम और सशक्त बनाया जा सकेगा। राज्यपाल बागडे शनिवार को बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 40वें स्थापना दिवस समारोह और डॉ. के. एन. स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि गत 40 वर्षों ने विश्वविद्यालय ने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने कृषि शिक्षण किया और उपाधियाँ प्राप्त की हैं। राज्यपाल ने कहा कि यहां अध्ययन कर देश और दुनिया में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का रिकॉर्ड भी संधारित किया जाए।

बीकानेर के सर्किट हाउस के वीआईपी ब्लॉक में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, समय रहते टला बड़ा हादसा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। शहर के सर्किट हाउस स्थित वीआईपी ब्लॉक में शनिवार को अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। देखते ही देखते धुआं पूरे गैलरी परिसर में फैल गया, जिससे वहां मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि आग की घटना एक आईएएस प्रशिक्षु के कमरे के ठीक पास हुई, जिससे कुछ देर के लिए स्थिति गंभीर हो गई थी। हालांकि मौके पर मौजूद स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय भाजपा नेता पुनित ढाल, होमगार्ड कमल सिंह, ओमप्रकाश सहित अन्य कर्मचारी मौके पर मौजूद थे। सभी ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने और परिसर को सुरक्षित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सतर्कता के चलते आग को फैलने से रोक लिया गया। सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। आग लगने से गैलरी क्षेत्र में धुआं भर गया था, जिसे बाद में साफ कराया गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल शॉर्ट सर्किट को आग का प्रारंभिक कारण माना जा रहा है। घटना के बाद सर्किट हाउस परिसर में विद्युत व्यवस्था की जांच भी कराई जा रही है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। प्रशासन ने बताया कि घटना के कारणों की विस्तृत जांच के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं। यदि जांच में विद्युत व्यवस्था में किसी प्रकार की तकनीकी खामी या रखरखाव में लापरवाही सामने आती है, तो उसके अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शालादर्पण पोर्टल पर छात्रवृत्ति प्रस्तावों की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 31 अगस्त तक होंगे आवेदन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय राजस्थान, बीकानेर ने विभिन्न पूर्व एवं उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए शालादर्पण बेनेफिशियरी स्कीम पोर्टल पर विद्यालय स्तर से छात्रवृत्ति प्रस्ताव भेजने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दी है। इससे पहले यह तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित थी। निदेशक द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि योजनावार लॉक किए गए छात्रवृत्ति प्रस्तावों की संख्या अभी अत्यंत कम है।

सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तिथि में एक माह की वृद्धि की गई है। जारी निर्देशों के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारियों को विद्यालय स्तर पर विशेष कार्ययोजना बनाकर सभी पात्र विद्यार्थियों के प्रस्ताव ऑनलाइन तैयार कर अग्रेषित करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही विद्यालयों को अधिकाधिक प्रस्तावों का मैनुअल वेरीफिकेशन और लॉक करने के लिए भी कहा गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिन विद्यार्थियों के जनाधार में बैंक खाते का विवरण गलत है या दर्ज नहीं है, उनके अभिभावकों को जानकारी सही करवाने के लिए प्रेरित किया जाए ताकि छात्रवृत्ति राशि सीधे बैंक खाते में जमा हो सके। निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से गत वर्ष की तुलना में छात्रवृत्ति प्रस्तावों की संख्या बढ़ाने तथा निर्देशों की तत्परता से पालना सुनिश्चित करने को कहा है। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि छात्रवृत्ति योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इसलिए विद्यालय स्तर पर किसी भी पात्र विद्यार्थी का आवेदन केवल तकनीकी या दस्तावेज संबंधी त्रुटियों के कारण लंबित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। विद्यालयों के संस्था प्रधानों से कहा गया है कि वे विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को छात्रवृत्ति योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, जनाधार, बैंक खाते एवं अन्य जरूरी जानकारियों के संबंध में जागरूक करें।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सूचना केन्द्र के सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामचन्द्र मेघवाल का किया सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में शुक्रवार को सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामचन्द्र मेघवाल का उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मान किया गया। इस अवसर पर एसीईओ भागचंद खारिया, पीआरओ सूर्यकान्त कुमावत, एपीआरओ मनीष कुमार व जनसम्पर्क कर्मियों, मीडिया प्रतिनिधियों ने रामचंद्र मेघवाल का माल्यार्पण, साफा पहनाकर व अभिनंदन—पत्र भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर एसीईओ भागचंद खारिया ने कहा कि किसी भी कार्यालय की कार्यकुशलता और विश्वसनीयता उसके कर्मचारियों की निष्ठा, अनुशासन एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली पर निर्भर होती है। जनसंपर्क सेवाओं का महत्व शासन— प्रशासन में अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण है। ऐसे में जनसंपर्क सेवाओं के उन्नयन में जनसंपर्ककर्मी रामचंद्र मेघवाल का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अपनी सेवाओं से व्यक्ति सदैव सम्मान पाता है। सेवा को कर्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी से किए जाने वाले कार्मिकों को हर जगह महत्व दिया जाता है। रामचन्द्र मेघवाल की समर्पित कार्यशैली अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत है। जनसम्पर्क अधिकारी सूर्यकान्त कुमावत ने कहा कि रामचन्द्र मेघवाल ने प्रशासनिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए विभागीय कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने समयबद्धता, पारदर्शिता एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति को हमेशा प्राथमिकता दी, जिसके कारण वे अधिकारियों, कर्मचारियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों के बीच समान रूप से सम्मानित रहे हैं। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार देवराज लाटा ने कहा कि रामचंद्र मेघवाल ने जनसंपर्ककर्मी की भूमिका को सार्थक किया है। वह हमेशा पत्रकार हितों और जनसंपर्क सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार ताड़केश्वर पुरोहित ने कहा कि रामचंद्र मेघवाल ने हमेशा पत्रकारों का सहयोग किया। उन्होंने हमेशा जनसंपर्क विभाग की योजनाओं से पत्रकारों को लाभान्वित किया। किशन उपाध्याय ने रामचंद्र मेघवाल के कुशल व सहयोगी व्यक्तित्व की सराहना की।

राजस्थान/ प्रादेशिक

सालावास पुलिया पर अंधेरे ने ली युवक की जान, मुआवजे और आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। सालावास पुलिया पर स्ट्रीट लाइट बंद होने से फैले अंधेरे के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के बाद अस्पताल में शव को सम्मानपूर्वक कपड़े से नहीं ढका गया और उसे सामान्य वार्ड में रखा गया, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई। गुस्साए ग्रामीणों ने सालावास अस्पताल के सामने धरना-प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने हादसे के लिए जिम्मेदार वाहन और उसके चालक की तत्काल गिरफ्तारी, मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा तथा सालावास पुलिया पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को जल्द चालू कराने की मांग की। सूचना मिलने पर विवेक विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से समझाइश कर रास्ता खुलवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना करने वाले वाहन व चालक की तलाश की जा रही है। धरना-प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधि अस्पताल परिसर के बाहर एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि यदि पुलिया पर स्ट्रीट लाइटें समय पर चालू रहतीं तो संभवतः यह दुर्घटना टाली जा सकती थी। उन्होंने सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं में सुधार और क्षेत्र में नियमित निगरानी की भी मांग उठाई। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी मांगों को गंभीरता से लेने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है तथा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। दोषी चालक के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संबंधित विभाग को सालावास पुलिया की बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों की तत्काल जांच कर उन्हें शीघ्र चालू कराने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था और यातायात सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही गई है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने कुछ समय पश्चात अपना प्रदर्शन समाप्त कर सड़क यातायात सुचारु होने दिया।

भरतपुर में आगामी पंचायत व नगर निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस की रणनीति बैठक

जयपुर, थिंक राजस्थान

भरतपुर। राजस्थान में आगामी पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भरतपुर के जिला कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में चुनावी रणनीति, टिकट वितरण के मापदंडों और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने जैसे अहम मुद्दों पर गहन मंथन हुआ। बैठक में जिला प्रभारी देशराज मीणा, नगर निगम महापौर अभिजीत जाटव और महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष बबीता शर्मा सहित जिलेभर के प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। पैराशूट प्रत्याशियों का विरोध, पुराने कार्यकर्ताओं को तरजीह देने की मांग

बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने सुझाव रखते हुए स्पष्ट रुख अपनायाः

निष्ठावानों को प्राथमिकताः कार्यकर्ताओं ने मांग की कि टिकट वितरण में लंबे समय से पार्टी और संगठन के लिए जमीनी स्तर पर संघर्ष कर रहे निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही प्राथमिकता दी जाए।

पैराशूट उम्मीदवारों का विरोधः बाहरी या ऐन वक्त पर आने वाले (पैराशूट) प्रत्याशियों को टिकट दिए जाने का कड़ा विरोध किया गया। महिलाओं को प्रतिनिधित्वः महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बबीता शर्मा ने आगामी चुनावों में महिलाओं को पर्याप्त और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व देने की मांग उठाई।

जिताऊ और समर्पित चेहरों पर दांव लगाएगी पार्टी : देशराज मीणा

जल भराव के कारण डिब्रुगढ-लालगढ -डिब्रुगढ एक्सप्रेस रेलसेवा मार्ग परिवर्तित रहेगी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पूर्वोत्तर रेलवे पर शिमलगुडी-सेलेंगहाट रेलखण्ड पर शिमलगुडी-नामति आलि स्टेशनों के मध्य शिमलगुडी यार्ड में जल भराव के कारण डिब्रुगढ-लालगढ -डिब्रुगढ एक्सप्रेस रेलसेवा मार्ग परिवर्तित रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 15909, डिब्रुगढ-लालगढ एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 01, 02 , 03 व 04 अगस्त 2026 को डिब्रुगढ से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग डिब्रुगढ-नॉर्थ लखीमपुर-रंगापाडा नार्थ-रंगिया होकर संचालित होगी। गाडी संख्या 15910, लालगढ-डिब्रुगढ रेलसेवा जो दिनांक 30, 31 जुलाई 2026 व 01 अगस्त 2026 को लालगढ से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग रंगिया-रंगापाडा नार्थ-नॉर्थ लखीमपुर- डिब्रुगढ होकर संचालित होगी। रेलवे प्रशासन ने बताया कि शिमलगुड़ी यार्ड में जलभराव के कारण रेल परिचालन प्रभावित हुआ है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित रेलसेवाओं को अस्थायी रूप से वैकल्पिक मार्ग से संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

पंचायत राज व निकाय चुनावों की रणनीति को लेकर दौसा में कांग्रेस का मंथन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। आगामी पंचायत राज एवं नगर निकाय चुनाव 2026 की रणनीति तय करने को लेकर शनिवार को दौसा के वृंदावन मैरिज लॉन में एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक नगर कांग्रेस कमेटी दौसा, नगर कांग्रेस कमेटी लवाण, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दौसा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लवाण के तत्वावधान में संपन्न हुई। बैठक में सांसद मुरारी लाल मीणा, पीसीसी प्रभारी राकेश पारीक, सह प्रभारी देशराज पहाड़िया, जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओढ़, दौसा विधायक डी.सी. बैरवा, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी और नगर अध्यक्ष घनश्याम शर्मा सहित भारी संख्या में जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सांसद मुरारी लाल मीणाः उन्होंने कहा कि पंचायत राज व निकाय चुनाव संगठन की मजबूती की आधारशिला हैं। कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों और विचारधारा को आमजन तक पहुँचाना होगा। पीसीसी प्रभारी राकेश पारीकः उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और अनुशासन के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

200 साल की हिन्दी पत्रकारिता पर पुस्तक का लोकार्पण, वरिष्ठ पत्रकारों और विशेषज्ञों ने विचार रखे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) द्वारा हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष पुस्तक का प्रकाशन किया गया। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (JNU) के मीडिया स्कूल के सहयोग से प्रकाशित इस पुस्तक का लोकार्पण शनिवार को जेएलएन मार्ग स्थित मोटूराम प्रसादम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बदलते दौर में पत्रकारिता की चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पीआईबी के एडिशनल डायटेक्टर डॉ धर्मेश भारती ने कहा कि पत्रकारिता में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। इस बदलते दौर में भारत सरकार भी मीडिया एवं पत्रकारों के लिए कई योजनाएं लाई है। पुस्तक की डिजायनिंग में सहयोग करने वाले जेएनयू छात्रों को स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारम्भ किया

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को उदयपुर के दूध तलाई वन परिक्षेत्र में चंदन का पौधारोपण कर 'चंदन वन' की स्थापना की तथा राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को हरित और समृद्ध बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने चंदन पेड़, वन एवं वन उपज तथा 'पंच गौरव' पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने ड्रोन सीडिंग प्रक्रिया का शुभारम्भ किया और वॉच टावर से दूरबीन के जरिए वन क्षेत्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने इसके बाद उदयपुर शहर के बाजार में पैदल चलकर आमजन से मुलाकात की और बच्चों को दुलार किया। इस दौरान जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सांसदगण, विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव के अवसर पर प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका नियमित संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। जनभागीदारी से ही राजस्थान को हरित और पर्यावरणीय रूप

से समृद्ध बनाया जा सकता है। ड्रोन सीडिंग जैसी नवीन तकनीकों के माध्यम से दुर्गम एवं वन क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधारोपण को गति मिलेगी, जिससे वन क्षेत्र के विस्तार और जैव विविधता के संरक्षण में मदद मिलेगी। राज्य सरकार इस दिशा में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार कार्य कर रही है।

नगर निकाय व पंचायत चुनावों को लेकर नारायणपुर में कांग्रेस की संयुक्त संगठनात्मक बैठक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

नारायणपुर। कोटपूतली-बहरोड़ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इन्द्राज सिंह गुर्जर के निर्देशानुसार, आगामी पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर रविवार को नारायणपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। संजयनाथ मंदिर परिसर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नारायणपुर, नारायणपुर मंडल कांग्रेस तथा अजबपुरा मंडल कांग्रेस की संयुक्त संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नारायणपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र रैगर ने की, जबकि मुख्य आतिथ्य ब्लॉक प्रभारी व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सेन, नारायणपुर मंडल प्रभारी मनोज कुमार शर्मा और अजबपुरा मंडल प्रभारी गोवर्धन मनकस का रहा।

भाजपा सरकार पर बोला हमलाः नेताओं ने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर हमला बोला।

जीत का संकल्पः उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथ स्तर पर सक्रिय होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने और कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने का संकल्प दिलाया गया। बैठक में पूर्व प्रधान मातादीन गुर्जर, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुल्तान यादव, जिला सचिव मुंशी गुर्जर, नारायणपुर मंडल अध्यक्ष कमलेश प्रजापति, वरिष्ठ नेता शंभू दयाल सैनी (पूर्व सरपंच), लोकेश (सरपंच), देवीसहाय गोठवाल, मकबूल खान, नगर अध्यक्ष सुभाष सैनी, युवा अध्यक्ष देशराज गिराठी, पंचायती राज ब्लॉक अध्यक्ष रंजीत कसाना, सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव अशोक सोनी, सीताराम मीणा और कल्लूराम ग्वारिया सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने विचार व्यक्त किए और संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कही।

सीएम भजनलाल शर्मा ने किया जेजेएस 2026 की थीम पोस्टर का अनावरण

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर ज्वैलरी शो (JJS) 2026 के आधिकारिक थीम पोस्टर का अनावरण एवं विमोचन किया।

इसके साथ ही देश के अग्रणी रत्न एवं आभूषण प्रदर्शनी जेजेएस 2026 का औपचारिक शुभारम्भ हो गया। इस वर्ष जेजेएस 2026 की थीम "कलर्ड जेमस्टोन्स - एन इनडिस्पेंसेबल पार्ट ऑफ जयपुर हेरिटेज" (Coloured Gemstones – An Indispensable Part of Jaipur Heritage), रखी गई है, जो रंगीन रत्नों के क्षेत्र में जयपुर की सदियों पुरानी परम्परा तथा वैश्विक पहचान को समर्पित है। थीम पोस्टर का अनावरण जेजेएस के अध्यक्ष राजीव जैन, दिनेश खटोरिया, कमल कोठारी एवं महावीर पी. शर्मा की उपस्थिति में हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को जेजेएस 2026 की तैयारियों की जानकारी भी दी।

श्री निंबार्क पारमार्थिक सेवा ट्रस्ट की जिला महिला कार्यकारिणी का विस्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। श्री निंबार्क पारमार्थिक सेवा ट्रस्ट की महिला प्रमुख नीलम शर्मा ने जिला महिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में चंदा शर्मा को जिला संयोजक, कमलेश बाहेती एवं पुष्पा अजमेरा को वरिष्ठ जिला संरक्षक, अमिता लढ़ा को कार्यक्रम संयोजक, सरिता अजमेरा एवं सुमन राठी को जिला उपाध्यक्ष, टीना अजमेरा एवं राधा शर्मा को जिला मंत्री, श्यामा अरोड़ा एवं अर्चना सिंगल को जिला संयुक्त मंत्री, मनोरमा जी को जिला संरक्षक, वंदना शर्मा को जिला प्रचार मंत्री, रेखा सोनी एवं अंकिता भारद्वाज को सह सचिव तथा शिल्पा झंवर को सदस्य मनोनीत किया गया। महिला प्रमुख नीलम शर्मा ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी सदस्य ट्रस्ट के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज सेवा, संगठन हित एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव महंत मोहन शरण शास्त्री के स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में संगठन सेवा गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

इस अवसर पर महिला प्रमुख नीलम शर्मा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, संस्कार निर्माण तथा जनकल्याण के कार्यों को भी व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाना है। उन्होंने सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए संगठन की सेवा गतिविधियों को गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर महिला जागरूकता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक आयोजन, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता जैसे विभिन्न सेवा कार्य संचालित किए जाते हैं।

नई कार्यकारिणी इन सभी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी तथा व्यवस्थित रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कुलगाम आतंकी हमले पर मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा- आतंक फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सरकार आतंक को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या पर मंत्री बेढम ने आईएएनएस से कहा, "हमें घटना की जानकारी मिल गई है। जो भी लोग आतंक फैलाने की कोशिश करेंगे, हमारी सुरक्षा एजेंसियां और फोर्स उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगी। आपने पहले भी देखा है। अगर किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है, तो हमारी सरकार उसके खिलाफ भी सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।" राजस्थान कांग्रेस में चल रही खींचतान पर निशाना साधते हुए जवाहर सिंह बेढम ने कहा, "कांग्रेस के अंदर की लड़ाई अब चरम पर पहुंच गई है। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का बयान अहंकार दिखाता है। उनका कहना कि 'मुझे किसी ऐरे-गैरे से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है', यह किसी भी राजनीतिक संगठन के लिए अच्छी बात नहीं है। इससे अनुशासन और संस्कारों की कमी दिखती है।"

उन्होंने कहा, "कांग्रेस के लोग अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उनके बयान से ही यह साफ हो जाता है। उनकी आपसी लड़ाई ही उनके पतन की सबसे बड़ी वजह है।"

दरअसल, राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हाल ही में जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था, "राहुल गांधी ने मुझसे कहा कि डोटासरा और जूली बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। मुझे किसी ऐरे-गैरे से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। जब मेरे नेता यह कहते हैं तो मेरे लिए वही काफी है।"

डोटासरा के इसी बयान के बाद कांग्रेस के भीतर बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा इसे कांग्रेस की कमजोरी बता रही है। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है तथा देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने वाले तत्वों के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता और दृढ़ता के साथ कार्रवाई कर रही हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए बेढम ने कहा कि विपक्ष को जनहित के मुद्दों पर रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उनका आरोप था कि कांग्रेस आंतरिक मतभेदों और नेतृत्व विवाद से जूझ रही है, जिसका असर उसके सार्वजनिक बयानों में भी दिखाई दे रहा है।

मांढण पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अवैध खनिज पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटपूतली-बहरोड़। जिले में अवैध खनन और खनिजों के गैर-कानूनी परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मांढण थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध खनिज पत्थर (माइंस स्टोन) से भरी एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त करते हुए चालक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक (IPS) सतवीर सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नीमराना) सुरेश कुमार खींची तथा वृत्ताधिकारी (बहरोड़) सचिन शर्मा के सुपरविजन में थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। गश्त व चेकिंग के दौरान मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि एक बिना नंबर का सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध खनिज पत्थर भरकर कंटेनर डिपो के पास से काठुवास की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन को रुकवाया और जांच की। जांच के दौरान ट्रॉली में बिना किसी वैध दस्तावेज के भारी मात्रा में खनिज पत्थर ले जाया जाना पाया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौके से चालक हवासिंह (52 वर्ष) पुत्र रमेश कुमार, निवासी ढीकवाड़ (थाना मांढण) को गिरफ्तार कर लिया।

मनोरंजन समाचार

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम, तब्बू और श्रीदेवी को भी बताया अपनी प्रेरणा

सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। आईएएनएस से खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ''साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।'' निहारिका ने कहा, "साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।" साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ''वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी।''

जेन-जी प्रोटेस्ट पर तनुश्री दत्ता बोलीं- देश की लीडरशिप को काम करने दीजिए

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए जेन-जी प्रोटेस्ट पर अपने विचार व्यक्त किए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर नेशनल सिक्योरिटी और बॉर्डर के मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देने की अपील की। साथ ही जेन जी से अपना गुस्सा जिम्मेदारी से जाहिर करने की अपील की। वीडियो में तनुश्री दत्ता कहती हैं, "फिलहाल, देश के किसी भी बड़े अधिकारी का इस्तीफा देश के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। हम चारों ओर से घिरे हुए हैं। हर तरफ बॉर्डर पर तनाव है, खासकर बांग्लादेश बॉर्डर और चीन पर। हालांकि, बांग्लादेश बॉर्डर पूरी तरह से सील नहीं हुआ है, क्योंकि वहां जो कुछ भी हो रहा था, वो रुकने लगा है। इसलिए थोड़ा विरोध तो होगा ही। पीएम मोदी और अमित शाह ने मिलकर बांग्लादेश बॉर्डर सील किया था, उसके बाद ये सारे मुद्दे सामने आए। मैं ये नहीं कह रही कि छात्र आंदोलन की कोई वजह नहीं थी, लेकिन वो हल हो चुका है। मुख्य मुद्दा सुलझ गया है। समाधान निकल चुका है।" तनुश्री ने कहा, "इस समय एक नए व्यक्ति पर भरोसा करना मुश्किल है। कौन जाने बॉर्डर का मुद्दा कहां से शुरू हो जाए। लोगों को समझना चाहिए कि अभी बदलाव का समय नहीं है, जहां जिसकी ड्यूटी लगी है उसे वहीं अपना काम करने दीजिए क्योंकि कमान संभालना दो दिन का काम नहीं होता। अभी इसे बदलने का मतलब है अपने देश को बॉर्डर के मामले में कमजोर करना। देश के दुश्मन चाहते हैं कि हम बॉर्डर के मामले में कमजोर हों। पेपर लीक की वजह से जेन जी का गुस्सा जायज भी है, लेकिन अब उस मुद्दे को सुलझाया जा रहा है। लीडरशिप काम कर रही है तो फिर अभी मामले को क्यों बढ़ाया जाए? मामला इसलिए बढ़ रहा है, क्योंकि जो बॉर्डर क्रॉसिंग हो रही थी वो अब बंद हो गई है तो जिन्होंने इसे बंद किया है, क्या उनके खिलाफ कार्रवाई होगी?" अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, "जेन जी के कंधे पर बंदूक है, निशाना है इंडिया।" उन्होंने आगे लिखा, "एजुकेशन सिस्टम के सुधार की शुरुआत हो चुकी है। अब इस मुद्दे को छोड़कर हमें अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने और बाकी जरूरी कामों पर ध्यान देना चाहिए।"

मृणाल ठाकुर बर्थडे : डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। मृणाल ठाकुर का जन्म 1 अगस्त 1992 को महाराष्ट्र के धुले में एक मराठी परिवार में हुआ। उनकी पढ़ाई महाराष्ट्र में ही हुई। उस समय उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था।

शिल्पा शेट्टी ने पशुपतिनाथ मंदिर में भगवान शिव का लिया आशीर्वाद, काठमांडू से शेयर की खूबसूरत झलक

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन किए और सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत झलक भी शेयर की। शिल्पा ने मंदिर के सामने हाथ जोड़े हुए, पीले रंग के पारंपरिक कपड़ों में अपनी एक तस्वीर शेयर की। अपनी इस जर्नी को उन्होंने 'नेपाल डायरीज' का हिस्सा बताया है। UNESCO की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल यह मंदिर भगवान शिव का है, जहां दुनिया भर से भक्त दर्शन के लिए आते हैं। शिल्पा शेट्टी ने पशुपतिनाथ मंदिर के बाहर से तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, '@pashupatinath temple #nepaldiaries' पशुपतिनाथ मंदिर भगवान शिव के एक रूप पशुपति को समर्पित है। नेपाल के काठमांडू में पवित्र बागमती नदी के किनारे स्थित यह मंदिर दक्षिण एशिया के सबसे पुराने और सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक परिसरों में से एक है। बता दें कि 1979 से यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त यह मंदिर, यूनेस्को द्वारा काठमांडू घाटी के लिए नामित सात स्मारकों के समूहों में से एक है। इस मंदिर परिसर में 518 छोटे मंदिर और मुख्य पैगोडा-शैली का मंदिर शामिल है। एक्ट्रेस के काम की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कन्नड़ भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'KD: द डेविल' में देखा गया था, जिसे प्रेम ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेश्मा नानाय्या, जीशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही ने काम किया है। हालांकि, शिल्पा शेट्टी आजकल कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' की होस्ट के तौर पर नजर आ रही हैं। इस शो में मशहूर हस्तियां जोड़ियों में मुकाबला करती हैं। हर जोड़ी में एक मशहूर हस्ती के साथ उनके माता-पिता और बच्चे होते हैं, जो कुकिंग चैलेंज और कॉमेडी सेगमेंट में हिस्सा लेते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने आरक्षण पर दिए गए उन वायरल बयानों का खंडन किया था, जो गलत तरीके से उनसे जोड़े जा रहे थे। उन्होंने इन बयानों को पूरी तरह से मनगढ़ंत और बकवास बताया है। उन्होंने ट्वीट किया और लिखा, 'आरक्षण पर मेरे नाम से गलत तरीके से जोड़े गए फर्जी बयानों को देखकर मैं हैरान हूं। यह पूरी तरह से मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण बकवास है। इस फर्जी खबर पर यकीन न करें!' बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने नेपाल के काठमांडू स्थित विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की झलक सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मंदिर परिसर के बाहर हाथ जोड़कर खिंचवाई गई तस्वीर पोस्ट की। पीले रंग के पारंपरिक परिधान में नजर आईं शिल्पा ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, "@pashupatinath temple #nepaldiaries", जिसे उनके प्रशंसकों ने खूब पसंद किया। नेपाल की पवित्र बागमती नदी के तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर भगवान शिव के 'पशुपति' स्वरूप को समर्पित है और हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों में से एक माना जाता है। वर्ष 1979 में इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। शिल्पा शेट्टी की आध्यात्मिक यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

'युवाओं को भ्रमित करना बंद करो', मूवी रोल्स के लिए हुई आलोचना, कंगना रनौत ने बताया रील-रियल के बीच का अंतर

एक्टर और BJP सांसद कंगना रनौत अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। अब एक बार फिर कंगना अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में कंगना ने सीजेपी प्रोटेस्ट पर आपत्ति जाहिर करते हुए एक पोस्ट साझा किया और उनके बयान पर बवाल मच गया। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर ट्रोल्स उनके फिल्मों में निभाए रोल्स के क्लिप शेयर करते हुए उन्हें निशाने पर लेने लगे। कंगना ने अब इस आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए इस पोस्ट में उन्होंने रील और रियल के बीच का अंतर बताते हुए कहा कि लोग स्क्रीन पर निभाए उनके किरदारों और असल जिंदगी में युवाओं के व्यवहार के बीच गलत तुलना कर रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने लोगों से अपील की कि वह युवा जनरेशन को गुमराह न करें। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसी के साथ उन्होंने संसद में दिए अपने एक पुराने भाषण का वीडियो भी रीपोस्ट किया है। कंगना ने ये भाषण तब दिया था, जब वह हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद के तौर पर चुनी गईं और लोकसफा पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक विरोधियों द्वारा उनकी फिल्म की तस्वीरें हर जगह फैलाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। अब कंगना ने एक बार फिर अपनी वही बात दोहराई है और कहा कि स्क्रीन पर ग्लैमरस और बोल्ड किरदार निभाना कोई विरोधाभास नहीं है, क्योंकि ये एक्ट्रेस के तौर पर उनके पेशे का हिस्सा है। अपने पोस्ट में कंगना ने लिखा, 'आप मेरे उन फिल्मी कैरेक्टर्स की क्लिप्स का इस्तेमाल करके युवाओं को भ्रमित करना चाहते हैं, जिसके लिए मुझे लाखों में फीस मिलती है। आप लोग उन बड़े-बड़े शोज, बिजनेस इवेंट्स को हथियार बनाना चाहते हैं, जहां मैं अपनी टीम के साथ होती हूं और मेरे इर्द-गिर्द इवेंट प्लानर्स की सिक्योरिटी होती है। इन सबका इस्तेमाल करके आप सब कमजोर टीनएजर्स को इस बात का विश्वास दिलाना चाहते हैं कि वे भी सड़क पर, स्कूल में होने वाले इवेंट्स या छोटे-मोटे क्लबों में ऐसा ही कर सकती हैं? क्या यह एक ही बात है?' कंगना ने अपने पोस्ट में आगे लिखा- 'युवाओं को गुमराह करना बंद करिए, क्योंकि ये बिलकुल भी एक जैसा नहीं है। आज आप दूसरों के बच्चों को गुमराह कर रहे हैं, कल आपके बच्चों को भी गुमराह किया जा सकता है।' कंगना ने सोशल मीडिया पर ये पोस्ट, उस पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने स्टूडेंट प्रोटेस्ट और Gen Z के व्यवहार पर बात की थी और अपनी टिप्पणी से ऑनलाइन तीखी बहस छिड़ गई थी। इससे पहले कंगना ने लिबरल्स पर तंज कसते हुए एक पोस्ट शेयर किया था, जिसके साथ उन्होंने अपने बचपन की यादें ताजा कीं। अपनी एक पुरानी तस्वीर पोस्ट करते हुए कंगना ने बताया था कि जब वह 12 साल की थीं, उन्होंने अपने स्कूल के कल्चरल फेस्ट में माता सीता की भूमिका निभाई थी। कंगना रनौत की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर एक बार फिर बहस तेज हो गई। उनके समर्थकों ने उनके पक्ष में टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी अभिनेता द्वारा पर्दे पर निभाए गए किरदार और उसके निजी विचारों या सार्वजनिक जीवन के बीच अंतर किया जाना चाहिए। वहीं, आलोचकों का कहना है कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नेताओं और जनप्रतिनिधियों के बयानों का समाज, विशेषकर युवाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ता है, इसलिए उन्हें अपने शब्दों का चयन सावधानी से करना चाहिए। अपने पोस्ट में कंगना ने यह भी संकेत दिया कि मनोरंजन उद्योग में निभाए जाने वाले किरदार केवल कहानी और अभिनय का हिस्सा होते हैं। उनका कहना था कि फिल्मों में निभाई गई भूमिकाओं को वास्तविक जीवन के व्यवहार का पैमाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा कि किसी कलाकार का पेशा और उसकी व्यक्तिगत या राजनीतिक सोच दो अलग-अलग पहलू हैं, जिन्हें एक-दूसरे से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। कंगना ने युवाओं से भी भावनाओं या सोशल मीडिया ट्रेंड के प्रभाव में आने के बजाय अपनी समझ और विवेक का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाली हर सामग्री को बिना तथ्यों की जांच के स्वीकार करना उचित नहीं है। उनके अनुसार, सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए और किसी भी मुद्दे पर राय बनाने से पहले उसके सभी पहलुओं को समझना जरूरी है। गौरतलब है कि कंगना रनौत अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती रही हैं। यही कारण है कि उनके बयान कई बार समर्थन और विरोध दोनों का केंद्र बन जाते हैं। समाचार लिखे जाने तक उनके ताजा बयान को लेकर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का दौर जारी था, जबकि इस विषय पर संबंधित पक्षों की ओर से अलग-अलग मत सामने आ रहे थे। कंगना की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला लगातार जारी है।

मृणाल ठाकुर के जन्मदिन पर संदीपा धर ने किया विश, लिखा- तुम्हारा आने वाला साल खुशियों से भरा हो

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी प्रिय को-स्टार अभिनेत्री संदीपा धर ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस पोस्ट के जरिए संदीपा ने मृणाल को अपनी पसंदीदा को-स्टार बताया। अभिनेत्री संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का अनसीन वीडियो पोस्ट किया। इस क्लिप में संदीपा धर मृणाल ठाकुर को दुल्हन की तरह तैयार कर रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, "जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं मृणाल ठाकुर। 'दो दीवाने सहर में' के साथ बिताए गए पल शेयर कर रही हूं। ये एक प्यारा सीन था, जो फिल्म से कट कर दिया गया था, लेकिन तुम्हारे खास दिन पर इसे शेयर किए बिना रह नहीं पाई। उस दिन मुझे सबसे खूबसूरत दुल्हन लग रही थीं, और सच में तुम्हें उस सीन को जीवंत करते हुए देखना मेरे लिए एक जादू जैसा था। मेरी दुआ है कि तुम्हारा आने वाला साल खुशियों से भरा हो। उसमें कमाल के किरदार, तरक्की, सुकून और ढेर सारा प्यार हो। तुम उन सबसे टैलेंटेड और इंस्पायर करने वाले लोगों में से एक हो, जिन्हें मैं जानती हूं। तुम्हारे साथ फिर से स्क्रीन शेयर करने का इंतजार है।" अभिनेत्री संदीप धर और मृणाल ठाकुर ने फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में साथ काम किया था। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि संदीप (संदीपा धर) सहायक भूमिका में नजर आती हैं।

अंकिता लोखंडे ने पति और मां को दी जन्मदिन की बधाई, दोनों के लिए लिखा खास नोट

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया के जरिए मां और पति विक्की को जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम सेक्शन पर पति विक्की जैन की तस्वीर शेयर कर लिखा, "जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, मेरी दुनिया आपको लंबी उम्र मिले। हैप्पी बर्थडे बेस्ट ऑफ माय लाइफ।" इसके बाद अंकिता लोखंडे ने अपनी मां के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर कर लिखा, "मां, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। आपने जो मुझे दिया है, उसका हिसाब मैं किसी भी रूप में नहीं चुका सकती। जन्मदिन की अनंत बधाई हो मां।"

अंकिता लोखंडे ने 14 दिसंबर 2021 को मुंबई के एक फाइव-स्टार होटल में व्यवसायी विक्की जैन के साथ शादी की थी। दोनों की लव स्टोरी एक कॉमन फ्रेंड के जरिए पार्टी में मिलने से शुरू हुई थी। शादी के बाद यह जोड़ा रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में भी नजर आया था। हाल ही में यह कपल कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स – अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में देखा गया था।

इस सीरीज को भारती सिंह होस्ट करती हैं और शेफ हरपाल सिंह सोखी जज करते हैं। यह स्टार विजय टीवी नेटवर्क के तमिल शो कूकू विद कोमाली पर बेस्ड है। हाल ही में खत्म हुए तीसरे सीजन में अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल एली गोनी, जन्नत जुबैर, अर्जुन बिजलानी, तेजस्वी प्रकाश, एल्विश यादव, करण कुंद्रा, कश्मीरा शाह, कृष्णा अभिषेक, अंकिता, विक्की, निया शर्मा और सुदेश लहरी जैसे कंटेस्टेंट थे। अली और जन्नत इस सीजन के विनर घोषित होकर ट्रॉफी अपने घर ले गए। अंकिता लोखंडे की बात करें तो, उन्होंने पवित्र रिश्ता में अर्चना देशमुख के लीड रोल से डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 2009 से 2014 तक सुशांत सिंह राजपूत और हितेन तेजवानी के साथ काम किया। इसके बाद एक्ट्रेस ने 'झलक दिखला जा 4', 'कॉमेडी सर्कस का नया दौर' और 'एक थी नायिका' में हिस्सा लिया। उन्होंने 2018 में 'मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जो रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित एक एपिक ड्रामा है।

सार समाचार

ईरानी विदेश मंत्री ने यूके को दी नसीहत, 'अमेरिका की सैन्य मदद न करें आप'

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ब्रिटेन को चेतावनी भरे अंदाज में नसीहत दी है कि वह ईरान पर हमले करने में अमेरिका के साथ किसी भी तरह का सैन्य सहयोग न करे। शनिवार को ईरानी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, अराघची ने ब्रिटिश विदेश सचिव एड मिलिबैंड के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि "आक्रामक देशों" के साथ कोई भी सहयोग, जिसमें मौजूदा रक्षा समझौतों के तहत किया गया सहयोग भी शामिल है "स्वीकार्य नहीं" होगा। अराघची ने ईरान के प्रति ब्रिटिश सरकार की "अनुचित और गलत" नीतियों की आलोचना की।

उन्होंने लंदन द्वारा ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताने और हाल के महीनों में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ थोपे गए दो संघर्षों में उसकी "मिलीभगत" का हवाला दिया। उन्होंने ब्रिटेन से तेहरान के प्रति अपने रुख पर पुनर्विचार करने को कहा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून और 'आक्रामक परिभाषा के लिए कन्वेंशन' के तहत, किसी देश के क्षेत्र और सुविधाओं का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ गैर-कानूनी हमलों के लिए करने की अनुमति देना आक्रामकता है और इससे हमले का शिकार हुए देश को आत्मरक्षा का अधिकार मिलता है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने कहा कि ईरान ने अच्छी नीयत से अमेरिका के साथ राजनयिक प्रक्रिया शुरू की थी और जून में वाशिंगटन के साथ संघर्ष को खत्म करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन वाशिंगटन अपने वादों को पूरा करने में विफल रहा।

कैलिफोर्निया में एफ-35बी फाइटर जेट हुआ क्रैश, अमेरिकी नौसेना के अधिकारियों ने की पुष्टि

अमेरिका नौसेना अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सैन डिएगो (कैलिफोर्निया) स्थित मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मिरामार के पास एफ-35बी लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद राहत दल मौके पर बचाव कार्य में जुटा है। यह घटना शुक्रवार को स्थानीय समय के हिसाब से सुबह करीब 10 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि पायलट को सुरक्षित बचा लिया गया है। बेस के एक प्रवक्ता ने कहा, "हम एमसीएएस मीरामार के पास मरीन कॉर्प्स एफ-35बी के साथ हुए हादसे की पुष्टि कर सकते हैं। पायलट ने इजेक्ट किया, उसे सुरक्षित निकाल लिया गया है और मेडिकल सुविधा के लिए ले जाया जा रहा है।" मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जेट थर्ड मरीन एयर विंग, मरीन एयर ग्रुप 11 को आवंटित था।

इजरायल ने तोड़ दी हिज्बुल्लाह की कमर! साउथ लेबनान में तबाह कर दिया उसका अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क

इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने आज (शुक्रवार को) बताया कि उसने साउथ लेबनान में ब्यूफोर्ट रिज के नीचे कई महत्वपूर्ण अंडरग्राउंड सुरंगों को तबाह कर दिया है। यह एक्शन सिक्योरिटी जोन वाले क्षेत्र में एक "लिमिटेड एक्टिविटी" के दौरान किया गया। यह ऐसे समय में हुआ है जब अगले महीने अगस्त में इटली के रोम में अमेरिका की मध्यस्थता में इजरायल और लेबनान में बातचीत फिर से शुरू होने वाली है। इजरायली सेना ने बताया कि यह टनल नेटवर्क हिज्बुल्लाह के लिए एक सेंट्रल कमांड सेंटर का काम करता था, जहां से उसके कमांडर जंग से जुड़ी एक्टिविटीज को संभालते थे। इजरायली सैनिकों और नागरिकों पर अटैक करने के लिए निर्देश देते थे। IDF के मुताबिक, यह अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क कई लेवल वाला था। हिज्बुल्लाह ने इसे दो दशकों में बनाया था। IDF ने ये भी कहा कि अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क, साउथ लेबनान में हिज्बुल्लाह की 'बदर यूनिट' के लिए सेंट्रल कमांड सेंटर के रूप में काम करता था। इसकी प्लानिंग और फंडिंग ईरान के शासन ने की थी। IDF ने कहा कि यह अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क नॉर्थ इजरायल के लिए खतरा था क्योंकि यह उसके मेटुला और गैलिली पैनहैंडल क्षेत्र से करीब 6 किलोमीटर दूर स्थित था। इजरायली सेना ने कहा कि उसने पिछले कुछ सप्ताह में लेबनान के ब्यूफोर्ट रिज में अपनी तैनाती को पूरा कर लिया है। इसके अलावा, IDF ने जमीन के नीचे बनी सुरंगों के नेटवर्क पर अपना ऑपरेशनल कंट्रोल बनाए रखा और उन्हें तबाह करने की तैयारी भी की है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई को लेकर इजरायल से नाराजगी जता चुके हैं।

ईरान पर बड़े हमले की तैयारी में अमेरिका, अपने नागरिकों से कहा- 'मिडिल ईस्ट छोड़ने के लिए तैयार रहें'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर बड़ा हमला करने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही अमेरिका ने अपने नागरिकों से मिडिल छोड़ने के लिए तैयार रहने को कहा है। अमेरिकी नागरिकों के लिए जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि वह मिडिल ईस्ट छोड़ने के बारे में सोचें या ऐसा करने के लिए तैयार रहें। एडवाइजरी में यह भी बताया गया है कि आने वाले दिनों में कई एयरलाइंस मिडिल ईस्ट में अपनी फ्लाइट कैंसिल कर सकती हैं। ईरान ने कुवैत में ड्रोन हमले किए हैं और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों को भी निशाना बनाया है। इसके बाद ट्रंप ने ईरान पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। वहीं, इजरायल ने भी गाजा और लेबनान पर हमले किए हैं, जबकि हमास ने अमेरिका के समर्थन से युद्धविराम का ऐलान किया था और अपने हथियार छोड़ने के लिए भी तत्परता दिखाई थी। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक सुरक्षा सलाह जारी कर अमेरिकी नागरिकों को चेतावनी दी कि क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है और तेजी से बिगड़ सकती है। इस सलाह में क्षेत्र में रहने वाले अमेरिकियों से अत्यधिक सावधानी बरतने और संभावित फ्लाइट रद्द होने, हवाई क्षेत्र बंद होने और यात्रा में व्यवधान के लिए तैयार रहने का आग्रह किया गया।

सलाह में कहा गया है, "मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकियों को वहां से निकलने पर विचार करना चाहिए, या तनाव बढ़ने की स्थिति में निकलने के लिए तैयार रहना चाहिए।" एडवाइजरी में आगे यह भी सिफारिश की गई कि इस क्षेत्र से बाहर रहने वाले अमेरिकी नागरिक मध्य पूर्व की यात्रा करने या वहां से होकर गुजरने के बारे में पुनर्विचार करें। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी है कि ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगी वैश्विक स्तर पर अमेरिकी राजनयिक सुविधाओं, व्यवसायों और संस्थानों को निशाना बना सकते हैं, और यह भी कहा है कि तेहरान ने हाल ही में अपने हमलों का दायरा उन देशों तक बढ़ा दिया है, जिन्हें पहले निशाना नहीं बनाया गया था, जैसे कि मिस्र। इससे पहले अमेरिका की मध्यस्थता में इजरायल और हमास के बीच समझौता हुआ था।

समुद्र से तैरकर घुस गए 60,000 घुसपैठिए, स्पेन ने खींच दी है 1,600 फ़ीट लंबी समुद्री दीवार

मोरक्को से स्पेन के इलाके 'स्यूटा' में लगभग 60,000 प्रवासियों के घुसने के दो दिन बाद, लगभग सभी लोग अपने घर लौट गए हैं। स्यूटा लंबे समय से यूरोप पहुंचने की कोशिश कर रहे प्रवासियों के लिए एक मंज़िल रहा है।

हालांकि हाल ही में हुई यह भारी भीड़ अभूतपूर्व थी, लेकिन गर्मियों में स्पेन के इलाके में पहुंचने की बड़ी कोशिशें अक्सर होती रहती हैं, जिन्हें आमतौर पर सोशल मीडिया के ज़रिए ऑर्गनाइज़ किया जाता है। इस घटना के कारण यूरोपीय संघ में गैर-कानूनी तरीके से प्रवासियों के आने को लेकर व्यापक चिंताएं पैदा हो गईं।

इसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है।

गैर-कानूनी तरीके से लोगों के आने की यह लहर, पड़ोसी देश मोरक्को से लगभग 1,800 लोगों के समुद्र में बने सुरक्षा घेरे (ब्रेकवाटर) के पास से तैरकर स्यूटा में घुसने के एक हफ़्ते बाद आई। इसके बाद स्पेन ने घोषणा की है कि वह अपने उत्तरी अफ़्रीकी इलाके स्यूटा और पड़ोसी देश मोरक्को के बीच समुद्री सीमा पर 500 मीटर (1,600 फ़ीट) लंबा रोकथाम बैरियर लगा रहा है।

यह कदम इस हफ़्ते की शुरुआत में 50,000 से 60,000 प्रवासियों के सीमा पार करने की घटना के बाद उठाया गया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, सेउटा के तट पर ताराजल ब्रेकवाटर के पास एक तैरता हुआ न्यूमैटिक बैरियर लगाया गया था। हवा से फूलने वाला यह न्यूमैटिक बैरियर 500 मीटर लंबा है; यह पानी की सतह से 30 से 70 सेंटीमीटर ऊपर रहता है और सतह के नीचे 1 मीटर तक जाता है। इसे स्पेनिश नौसेना द्वारा लगाए गए एंकर वाले बॉय (buoys) की बाहरी लाइन से मज़बूत किया गया है।

मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की मौत की पुष्टि हुई, PoK की चोटी पर बर्फीले तूफान के बाद हुए थे लापता

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में काराकोरम रेंज की ब्रॉड पीक पर आए जबरदस्त बर्फीले तूफान (एवलांच) के बाद, मशहूर नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की मौत की पुष्टि हो गई है। दरअसल बर्फीले तूफान के बाद पुर्जा के लापता होने के दो दिन बाद, जिस एक्सपीडिशन कंपनी 'एलीट एक्सपेड' से वे जुड़े थे, उसने इंस्टाग्राम पर एक बयान जारी करके मौत की पुष्टि की है। पुर्जा 43 साल के थे। वे ब्रॉड पीक पर चढ़ने के लिए एक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। इसी दौरान गुरुवार दोपहर हिमस्खलन हुआ और टीम के सभी 10 सदस्यों से संपर्क टूट गया। इस अभियान में जो लोग शामिल थे, उसमें नेपाल के छह और पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन का एक-एक पर्वतारोही शामिल था। पाकिस्तानी पर्वतारोही सोहेल सखी भी इस टीम का हिस्सा थे। जिस एक्सपीडिशन कंपनी 'एलीट एक्सपेड' से पुर्जा जुड़े थे, उस कंपनी ने पुर्जी को श्रद्धांजलि दी और पुर्जा को एक लीडर बताया, जिसने अपने हिम्मत और विनम्रता से लाखों लोगों के भरोसे को प्रेरित किया। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने पर्वतारोहण के दिग्गज और पांच अन्य नेपाली पर्वतारोहियों को श्रद्धांजलि दी। पीएम ने कहा कि पर्वतारोहण का मतलब सिर्फ़ चोटी तक पहुंचना नहीं है, बल्कि यह साहस, अनुशासन, त्याग और इंसानी सीमाओं को आगे बढ़ाने के संकल्प का प्रतीक है। पीएम शाह ने ये भी कहा कि उनकी शारीरिक यात्रा समाप्त हो गई लेकिन उनका साहस, समर्पण और योगदान इतिहास में जीवित रहेगा और पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। पुर्जा को दुनिया के सबसे मशहूर पर्वतारोहियों में गिना जाता था। उन्हें 2019 में पॉपुलेरिटी मिली जब उन्होंने छह महीने से कुछ ज्यादा समय में दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों पर चढ़ाई पूरी की। दक्षिण कोरियाई पर्वतारोही किम चांग-हो ने 7 महीने में पूरा किया था, उस रिकॉर्ड को पुर्जा ने तोड़ दिया। पुर्जा के इस रिकॉर्ड-तोड़ने वाले अभियान पर बाद में नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री '14 पीक्सः नथिंग इज़ इम्पॉसिबल' बनाई गई। प्रोफ़ेशनल पर्वतारोही बनने से पहले, पुर्जा ने 16 साल ब्रिटिश सेना में सेवाएं दीं।

जब तक पाकिस्तान अपना रुख नहीं बदलेगा, सिंधु जल का नियमित प्रवाह दूर का सपना

पिछले साल पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा पहलगाम में हुए हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या के बाद भारत सरकार द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करने के फैसले को "रणनीतिक और तार्किक" बताया गया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय समझौतों को एक पक्ष के हितों के लिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मीडिया इंडिया ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा सिंधु जल संधि का ढांचा बिना शर्त भरोसे पर बना था और इसमें सारी जिम्मेदारियां सिर्फ भारत पर थीं, जबकि बदले में कोई लाभ नहीं मिल रहा था। ऐसे में यह व्यवस्था नाकाम साबित हुई है और इसे बदलने की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान शांतिपूर्ण संबंध, भारत के साथ रचनात्मक संवाद और संधि के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जरूरी प्रतिबद्धता दिखाने में विफल रहा है। इस्लामाबाद लगातार शत्रुतापूर्ण बयानबाजी और गैर-कूटनीतिक उकसावे वाले बयान दे रहा है, जिसमें भारत के खिलाफ परमाणु हमले की धमकियां भी शामिल हैं। साथ ही सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देकर वह सिंधु जल संधि की भावना को भी कमजोर कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, "भारत सिंधु जल संधि के निलंबन पर अपने रुख पर कायम है। 1960 में हस्ताक्षरित यह समझौता सिंधु बेसिन की पांच हिमालयी नदियों के जल बंटवारे से जुड़ा है। इससे पाकिस्तान बौखलाहट में है। लेकिन उसे यह समझना होगा कि उसे भारत के साथ एक अच्छे पड़ोसी जैसा व्यवहार करना चाहिए, जैसा भारत ने 1947 में विभाजन के बाद से उसके साथ किया है।"

पेरू में क्रैश हुआ टूरिस्ट प्लेन, पायलट समेत सभी 13 सवारों की मौत, जमीन पर गिरते ही आग के गोले में हुआ तब्दील

पेरू के नाजका शहर के पास शनिवार को एक बड़ा विमान हादसा हो गया। पर्यटकों को विश्व प्रसिद्ध नाज़का लाइन्स (Nazca Lines) दिखाने जा रही एक टूरिस्ट फ्लाइट खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्लेन में सवार चालक दल समेत सभी 13 लोगों की मौत हो गई। प्लेन हादसे की पुष्टि स्थानीय अधिकारियों ने की है। नाज़का नगर प्रशासन ने फेसबुक पर जारी बयान में बताया कि विमान पर्यटकों को नाज़का लाइन्स की हवाई सैर कराने के लिए उड़ान पर था। नाज़का लाइन्स पेरू के रेगिस्तान में बनी विशाल जियो-ग्लिफ़ (Geoglyphs) हैं, जिन्हें सैकड़ों साल पहले वहां के मूल निवासियों ने बनाया था। इन विशाल आकृतियों में विभिन्न जानवरों के चित्र दिखाई देते हैं, जिन्हें पूरी तरह केवल हवाई जहाज या विशेष व्यूइंग टावर से ही देखा जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान ने पास के इका (Ica) शहर से उड़ान भरी थी। इस विमान का संचालन पेरू की निजी एयरलाइन एयरोडियाना (Aerodiana) कर रही थी। एयरलाइन की वेबसाइट के मुताबिक, कंपनी पिछले 14 सालों से सेसना ग्रैंड कारवां (Cessna Grand Caravan) विमान के जरिए नाज़का लाइन्स के ऊपर दर्शनीय (Scenic) उड़ानों का संचालन कर रही है। पेरू के व्यापार और पर्यटन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में 11 विदेशी पर्यटक और दो चालक दल के सदस्य सवार थे। सरकारी समाचार एजेंसी एजेंसिया एंडीना ने बताया कि विमान में 2 जर्मन, 2 स्पेनिश और 7 इतालवी पर्यटक थे। पेरू के अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की जांच चल रही है। एयरोडियाना से तत्काल टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पेरू के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, हादसे के बाद एयरोडियाना की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्लेन जमीन पर गिरते ही पूरी तरह टूट गया और उसमें आग लग गई। मौके पर पहुंची बचाव एवं राहत दल की टीम ने आग बुझाने का काम किया और शवों को बाहर निकाला। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन ने दुर्घटनास्थल को पूरी तरह सील कर दिया है और विमान के मलबे को सुरक्षित रखते हुए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। विमान के फ्लाइट रिकॉर्ड, रखरखाव संबंधी दस्तावेजों और मौसम की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। जांच में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण और अन्य संबंधित एजेंसियां भी सहयोग कर रही हैं। पेरू सरकार ने हादसे में जान गंवाने वाले सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया है।

यूक्रेन की राजधानी पर रूस ने किया बड़ा हमला, ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से अटैक; 9 की मौत

रूस द्वारा शनिवार की रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से जबरदस्त हमले किए गए। इन हमलों से कीव में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 आम नागरिक घायल हो गए हैं। शहर के सोलोमियांस्की जिले में मलबे के गिरने से पांच मंजिला रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा और उसमें आग लग गई। यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा के अनुसार, बचाव कर्मियों ने इमारत की ऊपरी मंजिलों से 35 लोगों को बाहर निकाला। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो बच्चों समेत आठ लोग घायल हो गए। आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि कीव के डार्नित्स्की जिले में हमले के कारण आग लगने और घरों, गाड़ियों, एक प्रशासनिक और एक गैर-रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचने से सात लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए।

इसके अलावा, आपातकालीन कर्मियों ने राजधानी के शेवचेंकिव्स्की जिले में एक गैर-रिहायशी इमारत में लगी आग को बुझाया। जिले के मेयर की शुरुआती रिपोर्टों के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं मिली कि लोग किसी दूसरी रिहायशी इमारत में फंसे हुए थे। शहर के दो अन्य जिलों में भी कमर्शियल और रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचने की खबर है। इससे पहले जुलाई में अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन में, ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट सिस्टम बनाने का लाइसेंस देगा, लेकिन शुक्रवार को कैंप डेविड, मैरीलैंड में राष्ट्रपति के आवास पर कैबिनेट बैठक के दौरान वे इस वादे से पीछे हटते दिखे। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मामले पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

स्पेन की सीमा पर क्यों मचा हाहाकार? मोरक्को से भारी संख्या में पहुंच रहे प्रवासी, 41 की मौत

स्पेन की सीमा पर इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। मोरक्को और स्पेन की सीमा पर तनावपूर्ण हालात के बीच 41 प्रवासियों की मौत हो गई है। इस बीच फ्रांस और इटली ने अपनी सीमा पर नियंत्रण को और भी सख्त कर दिया है। स्पेन ने शुक्रवार को अपने हाल के इतिहास के सबसे बड़े माइग्रेशन संकट में से एक को रोकने के लिए तेजी दिखाई। 24 घंटे के अंदर 60,000 से ज्यादा प्रवासी मोरक्को से नॉर्थ अफ्रीकी इलाके स्युटा में घुस आए। यूरोपीय इलाके में पहुंचने की कोशिश में हुई अफरातफरी में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने शुक्रवार को स्यूटा का दौरा किया।

उन्होंने भारी तादाद में सीमा पर कर आ रहे प्रवासियों के इस कदम को स्पेन की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन बताया और हजारों प्रवासियों को खतरनाक यात्रा करने के लिए उकसाने के लिए मानव तस्करी नेटवर्क को दोषी ठहराया। पीएम सांचेज ने कहा, "तस्कर बहुत सारे युवाओं को धोखा देते हैं और आखिर में उनमें से कई को मौत के घाट उतार देते हैं, चाहे समुद्र में या इस मामले में स्पेन की सीमा पर स्यूटा में।"

अफ्रीका के उत्तरी तट पर स्थित स्पेन के दो शहर स्यूटा और मेलिला यूरोपीय संघ की अफ्रीका के साथ एकमात्र जमीनी सीमाएं हैं।

स्पेन यूरोपीय संघ का हिस्सा है, इसलिए वहां पहुंचते ही लोगों को यूरोप में एंट्री मिल जाती है। प्रवासी अक्सर मोरक्को के फनिदेक या बेल्योनेच शहरों से तैरकर स्यूटा पहुंचने की कोशिश करते हैं।

खेल समाचार

CWG 2026 में पैरा एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा, शॉटपुट में सोमन को मिला गोल्ड

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का 10वां दिन भारतीय एथलीट के लिए शानदार रहा है। इस दिन भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक तीन गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिए हैं। भारत को दो गोल्ड मेडल बॉक्सिंग में और तीसरा गोल्ड पैरा एथलेटिक्स में शॉटपुट में मिला है। भारत को पैरा एथलेटिक्स में दोहरी सफलता मिली है।

सोमन राणा ने गोल्ड मेडल जीता, वहीं शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। भारत इस कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक 8 गोल्ड मेडल जीत चुका है। भारतीय पैरा-एथलीट सोमन राणा ने राष्ट्रमंडल खेलों के F57 शॉट पुट (गोला फेंक) इवेंट में अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का थ्रो करके गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि भारत के ही शुभम जुयाल दूसरे स्थान पर रहे। सोमन ने 13.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, उनका पहला प्रयास (13.38 मीटर) ही गोल्ड मेडल जीतने के लिए काफी था, फिर भी उन्होंने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का और बेहतर प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, शुभम जुयाल ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो फेंककर सिल्वर मेडल जीता। भारतीय सेना में सेवा दे चुके सोमन पहले एक मुक्केबाज थे, लेकिन 2006 में हुए एक बारूदी सुरंग (लैंडमाइन) हादसे के बाद उन्होंने पैरा-एथलेटिक्स को अपनाया।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के लिए स्क्वॉड में हुआ बदलाव, 31 साल के खिलाड़ी को किया गया टीम में शामिल

बांग्लादेश क्रिकेट टीम अगस्त के महीने में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी। इस सीरीज के लिए बांग्लादेश के स्क्वॉड का ऐलान पहले ही हो चुका है। लेकिन अब उस स्क्वॉड में एक बदलाव किया गया है। बांग्लादेशी सेलेक्टर्स ने इस टेस्ट सीरीज के लिए लिटन दास को स्क्वॉड में शामिल कर लिया है। यह टेस्ट सीरीज डार्विन और मैके में खेली जाएगी।

जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लिटन के बाएं पैर की मांसपेशी में चोट लग गई थी, जिसकी वजह से उन्हें शुरुआत में टेस्ट टीम में शामिल नहीं किया गया था। वहीं, तेज गेंदबाज नाहिद राणा और शोरीफुल इस्लाम के चोटिल होने से बांग्लादेश की टीम पहले से ही काफी कमजोर हो गई थी। चोट के कारण लिटन जून और जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे पर भी नहीं जा सके थे, लेकिन अब वे सही समय पर पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। वह रविवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने शनिवार को बताया कि 31 साल के लिटन दास चोट की वजह से जून से ही टीम से बाहर चल रहे थे। हालांकि, उनकी रिकवरी और इलाज का असर बहुत अच्छा रहा है और अब पहले टेस्ट मैच के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा। यह टेस्ट सीरीज बांग्लादेश के लिए बेहद खास और अहम है, क्योंकि 23 सालों में यह उनका पहला ऑस्ट्रेलिया दौरा है।

Commonwealth Games 2026 में भारत के लिए गोल्डन डे, 13 गोल्ड के साथ मेडल टैली में टॉप-5 में बनाई जगह

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए एक अगस्त का दिन काफी ऐतिहासिक रहा जिसमें बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल की बरसात देखने को मिली। मेडल टैली में भी भारत ने लंबी छलांग लगाने के साथ टॉप-5 में अपनी जगह बना ली है। अब तक जहां 13 गोल्ड मेडल जीतने में सफलता हासिल हुई तो वहीं 17 सिल्वर और 9 कांस्य पदक जीत चुके हैं, जिसके बाद कुल मेडल की संख्या 39 पहुंच चुकी है। बॉक्सिंग के अलावा ट्रिपल जंप के फाइनल में प्रवीण चित्रवेल और सेल्वा प्रभु से भी मेडल की उम्मीद है। वहीं, 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीत चुके गुलवीर सिंह अब 5,000 मीटर दौड़ में हिस्सा लेकर एक और मेडल जीतने की कोशिश करेंगे। इसके साथ ही, जूडो में उन्नति शर्मा 63 किलोग्राम वर्ग के शुरुआती मैचों से अपने खेल की शुरुआत करेंगी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के खाते में एक अगस्त को अलग-अलग इवेंट में कुल 16 मेडल जुड़े जिसमें सबसे ज्यादा 10 मेडल बॉक्सिंग में आए तो वहीं इसके अलावा एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में मेडल जीतने में सफलता मिली। अब भारत के कुल पदकों की संख्या 39 पहुंच गई है जिसमें 13 गोल्ड मेडल शामिल हैं। भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र को कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। वह फाइनल मुकाबले में जीत हासिल नहीं कर सके और उन्हें दूसरे स्थान पर रहकर सिल्वर मेडल मिला। उन्हें फाइनल में 90+ किग्रा के फाइनल में इंग्लैंड के डमार थॉमस से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाज अंकुश ने फाइनल में इंग्लैंड के डिमेजी शिट्टू को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। यह बॉक्सिंग में भारत का सातवां गोल्ड मेडल है। अंकुश के सामना फाइनल में मेंस के 80 किग्रा वर्ग में इंग्लैंड के डिमेजी शिट्टू से हो रहा है। लवलीना को सिल्वर मेडल मिला है।

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास, CWG में 5000 मीटर इवेंट में पदक जीतने वाले बने पहले भारतीय एथलीट

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए एक अगस्त का दिन काफी ऐतिहासिक रहा है, जिसमें बॉक्सिंग के अलग-अलग इवेंट में गोल्ड मेडल की बरसात देखने को मिली तो वहीं एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर रेस में इतिहास रच दिया।

गुलवीर सिंह ने इस इवेंट में 13:24.95 की टाइमिंग के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इसके अलावा गुलवीर कॉमनवेल्थ गेम्स के एथलेटिक्स में मल्टीपल मेडल जीतने वाले भारत के पहले एथलीट भी बन गए हैं। गुलवीर सिंह जिन्होंने इस इवेंट से पहले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ही 10000 मीटर रेस में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था उनके लिए यह इवेंट काफी रोमांचक रहा।

गुलवीर ने 5000 मीटर रेस को 13 मिनट 24.95 सेकेंड में पूरा किया तो वहीं इसी रेस में चौथे स्थान पर खत्म करने वाले केन्या के धावक कॉर्नेलियस केम्बोई सिर्फ 0.04 सेकेंड ही गुलवीर से पीछे रह गए। ऐसे में गुलवीर के लिए यह मेडल और भी खास हो जाता है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में एथलेटिक्स में भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन काफी शानदार देखने को मिला है, जिसमें गुलवीर अब पहले ऐसे एथलीट बन गए हैं जो ट्रैक एंड फील्ड के दो अलग-अलग इवेंट में पदक जीतने में कामयाब हो सके हैं।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले 27 साल के गुलवीर सिंह ने सेना में भर्ती होने के लिए दौड़ने की शुरुआत की थी, जिसमें साल 2018 में वह भारतीय सेना का हिस्सा बन गए थे। वहीं सेना में भर्ती होने के बाद भी उन्होंने दौड़ना जारी रखा जिसके दम पर गुलवीर को एथलेटिक्स में हिस्सा लेने का मौका मिला। गुलवीर ने साल 2022 के एशियन गेम्स में 10 हजार मीटर दौड़ में हिस्सा लेने लिया था जिसमें वह कांस्य पदक जीतने में कामयाब रहे थे। इसके अलावा गुलवीर ने जब साल 2026 में हाफ मैराथन को सिर्फ 59 मिनट 42 सेकेंड में पूरा किया था तो वह पहले ऐसे भारतीय एथलीट बन गए जो इस दौड़ को एक घंटे से कम समय में खत्म करने में कामयाब हो सके। गुलवीर सिंह की इस उपलब्धि ने भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

5000 मीटर और 10000 मीटर जैसी लंबी दूरी की स्पर्धाओं में लगातार पदक जीतकर उन्होंने साबित किया कि भारत अब केवल फील्ड इवेंट्स ही नहीं, बल्कि ट्रैक इवेंट्स में भी विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने की क्षमता रखता है। उनके शानदार प्रदर्शन की खेल विशेषज्ञों और पूर्व खिलाड़ियों ने भी सराहना की है। 5000 मीटर फाइनल में शुरुआत से ही मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अंतिम लैप तक कई धावकों के बीच पदक की कड़ी टक्कर देखने को मिली। गुलवीर ने आखिरी क्षणों में अपनी गति बढ़ाते हुए तीसरा स्थान सुरक्षित किया और महज 0.04 सेकेंड के अंतर से कांस्य पदक अपने नाम कर लिया।

यह करीबी मुकाबला उनकी रणनीति, धैर्य और शानदार फिटनेस का प्रमाण माना जा रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों के शानदार प्रदर्शन ने देश की पदक तालिका को भी मजबूत किया है। बॉक्सिंग, एथलेटिक्स और अन्य स्पर्धाओं में लगातार मिल रही सफलता से भारतीय दल का मनोबल काफी ऊंचा है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इन उपलब्धियों से युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की दावेदारी और मजबूत होगी।

सोमन राणा-शुभम जुयाल का कमाल, एफ57 शॉट पुट में भारत ने 'गोल्ड' के साथ 'सिल्वर' भी जीता

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली 'डबल पोडियम' फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की। सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। सोमन ने 13.38 मीटर के शुरुआती थ्रो के साथ प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की। इसके बाद अपने दूसरे प्रयास में गोल्ड मेडल दिलाने वाले 13.40 मीटर के थ्रो तक सुधार किया। उनका तीसरा प्रयास फाउल रहा, जबकि शेष थ्रो क्रमशः 13.14 मीटर, 13.17 मीटर और 13.11 मीटर के थे। हालांकि, वे अपने दूसरे राउंड के प्रयास में सुधार नहीं कर सके, लेकिन पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह काफी था।

दूसरी ओर, शुभम ने फाइनल के दौरान बेहतरीन निरंतरता दिखाई। उन्होंने 13.08 मीटर से शुरुआत की, उसके बाद 12.42 मीटर का थ्रो किया, और फिर तीसरे राउंड में सुधार करते हुए 13.27 मीटर तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने 13.16 मीटर और 12.88 मीटर का थ्रो किया, और अंत में अपने आखिरी प्रयास में 13.28 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके सिल्वर मेडल पक्का किया। सोमन राणा के लिए यह गोल्ड मेडल एक और बड़ी कामयाबी थी, जिन्होंने 2006 में जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना में सेवा के दौरान माइन ब्लास्ट में घायल होने के बाद यह मुकाम हासिल किया। रिहैबिलिटेशन और पैरा-एथलेटिक्स शुरू करने के बाद, दो बार पैरालंपिक में हिस्सा ले चुके सोमन भारत के बेहतरीन एफ57 शॉट पुटर्स में से एक बन गए हैं। सोमन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने से पहले एशियन पैरा गेम्स, वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप और नेशनल प्रतियोगिताओं में भी मेडल जीते हैं। शुभम के लिए सिल्वर मेडल एक शानदार सफर का सुखद अंत था।

CWG 2026 में भारतीय बॉक्सर्स ने की गोल्ड मेडल की बारिश, प्रिया और साक्षी ने जीता गोल्ड मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का 10वां दिन भारतीय बॉक्सर्स के लिए यादगार रहने वाला है। इस दिन इंडियन बॉक्सर्स ने बॉक्सिंग रिंग में गोल्ड मेडल की बारिश की है। भारत ने आज के दिन कुल पांच गोल्ड मेडल जीते हैं। जिसमें से 4 बॉक्सिंग में आए हैं। भारत की स्टार बॉक्सर साक्षी ने महिला 51 किग्रा वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की रुबी व्हाइट को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं उसके बाद प्रिया ने महिला 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में कनाडा की मैरी बाथेल अल अहमदी को खंडित फैसले में 4-1 से हराकर एक और स्वर्ण पदक जीता। भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला 51 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की रुबी व्हाइट को 5-0 से एकतरफा अंदाज में हराया।

साक्षी ने मैच के तीनों ही राउंड में अपना पूरा दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। मैच खत्म होते ही अपनी जीत तय देखकर साक्षी जश्न मनाने लगीं, जबकि हार का आभास होते ही रुबी व्हाइट की आंखों में आंसू आ गए।

साक्षी की इस शानदार जीत के साथ ही भारत ने मुक्केबाजी स्पर्धा में भारत को तीसरा गोल्ड दिलाया। भारतीय मुक्केबाज प्रिया घंघस की बात करें तो महिला 60 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में उनका सामना कनाडा की मैरी बाथेल अल अहमदी से हुआ। हालांकि, पहला राउंड कनाडा की मुक्केबाज के पक्ष में रहा, लेकिन प्रिया ने हार नहीं मानी और अगले दोनों राउंड में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने दूसरा राउंड 4-1 से अपने नाम किया और अंत में मुकाबला 4-1 के स्प्लिट (विभाजित) फैसले से जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। प्रिया की इस उपलब्धि के साथ ही भारत ने इस कॉमनवेल्थ गेम्स में मुक्केबाजी स्पर्धा में चार स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल कर लिए हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने आज के दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया।

Commonwealth Games 2026 में भारत के लिए ऐतिहासिक दिन, साक्षी-सचिन समेत इन खिलाड़ियों ने जीता गोल्ड मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 1 जुलाई का दिन भारतीय बॉक्सर्स के लिए काफी ऐतिहासिक रहा। भारतीय बॉक्सर्स ने बॉक्सिंग में कुल 7 गोल्ड मेडल अपने नाम किए। भारत के लिए आज प्रीति पवार, जैस्मिन लंबोरिया, सोमन राणा, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पांघल ने गोल्ड मेडल जीता है। इनमें से सोमन राणा ने भारत के लिए गोल्ड मेडल पैरा एथलेटिक्स में जीता है। बाकी सभी ने बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किए। भारत ने इस बार बॉक्सिंग में सात स्वर्ण और तीन रजत के साथ कुल 10 पदक अपने नाम किए। भारत इस कॉमनवेल्थ गेम्स में बॉक्सिंग में सभी देशों के बीच सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने वाला देश बन गया है। सिल्वर मेडल की बात करें तो 1 जुलाई को प्रवीण चित्रवेल ने पुरुषों के ट्रिपल जंप में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। उसके बाद जादूमणि सिंह ने बॉक्सिंग में पुरुषों के 55 किग्रा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

शुभम जुयाल ने पैरा एथलेटिक्स में शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता। वहीं लवलीना ने बॉक्सिंग में 75 किग्रा में सिल्वर मेडल जीत लिया है। बॉक्सिंग के आखिरी फाइनल में नरेंदर बेरवाल को सिल्वर मेडल मिला। वहीं उन्नति शर्मा ने जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत के लिए बॉक्सिंग में दिन का आखिरी गोल्ड मेडल अंकुश पांघल ने जीता। अंकुश ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 80 किग्रा के फाइनल में इंग्लैंड के डिमेजी शिट्टू को खंडित फैसले में 4-1 से हराया। यह भारत के लिए बॉक्सिंग में सातवां गोल्ड मेडल है। अंकुश से पहले सचिन ने पुरुष 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में नामीबिया के ट्राईगेन मॉर्निंग नदेवेलो को खंडित फैसले में 3-2 से हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। लवलीना बोरगोहेन ने महिला 75 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। लवलीना का फाइनल में सामना ऑस्ट्रेलिया की एम्मा सुई ग्रीनट्री से हुआ। एम्मा ने खंडित फैसले में लवलीना को 4-1 से हराया।

दलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन के स्क्वॉड का हुआ ऐलान, रिंकू सिंह को मिली उपकप्तानी

दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए सेंट्रल जोन के स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन टीम की कप्तानी एक बार फिर रजत पाटीदार ही करेंगे। वहीं टीम इंडिया के युवा और विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उपकप्तान बनाया गया है। सेंट्रल जोन की नजर इस बार भी खिताब अपने नाम करने पर होगी। पिछले सीजन में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में साउथ जोन को हराकर ट्रॉफी जीती थी। सेंट्रल जोन की टीम में भारत के दो और इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल हैं जिसमें बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्ष दुबे और तेज गेंदबाज यश ठाकुर का नाम शामिल है। पाटीदार के मध्य प्रदेश टीम के साथी सारांश जैन स्पिन गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। सारांश जैन श्रीलंका सीरीज के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड का हिस्सा हैं। उनका साथ हर्ष दुबे और उत्तर प्रदेश के लेग स्पिनर जीशान अंसारी देंगे, जिन्होंने हाल ही में श्रीलंका के 'इंडिया ए' दौरे पर 5 साल बाद रेड बॉल फॉर्मेट में वापसी की है। अमन मोखाडे को 2025-26 के शानदार रणजी सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन का इनाम मिला है, जिसकी बदौलत उन्हें 'इंडिया ए' टीम में जगह मिली थी।

जैवलिन थ्रो के बाद 'ट्रिपल जंप' में डबल धमाल, प्रवीण ने सिल्वर जीता, सेल्वा के नाम ब्रॉन्ज मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 'मेंस जैवलिन थ्रो' के बाद 'मेंस ट्रिपल जंप' में भी भारत ने दो मेडल हासिल किए। शनिवार को स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में खेले गए फाइनल में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर प्रवीण चित्रवेल ने देश को सिल्वर मेडल जिताया, जबकि उभरते हुए खिलाड़ी सेल्वा प्रभु थिरुमारन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले, शुक्रवार देर रात (भारतीय समय के अनुसार) मेंस जैवलिन थ्रो इवेंट में नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर जीता, जबकि यशवीर सिंह (85.41) ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। शनिवार को स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में ट्रिपल जंप प्रतियोगिता में बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में सिर्फ तीन सेंटीमीटर से मेडल चूकने वाले प्रवीण ने आखिरकार 16.58 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित पोडियम फिनिश हासिल किया। वहीं, सेल्वा ने 16.52 मीटर की अपनी सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। जमैका के जॉर्डन स्कॉट ने 16.72 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ गोल्ड मेडल जीता; जिन्होंने प्रवीण को सिर्फ 14 सेंटीमीटर से पीछे छोड़ा। प्रवीण ने पूरे कॉम्पिटिशन के दौरान लगातार अच्छा प्रदर्शन किया।

मानसून में क्यों बढ़ रहे हैं फ्लू के मामले? एम्स के डॉक्टर ने बताए लक्षण और बचाव के उपाय

मानसून का मौसम अपने साथ राहत तो लेकर आता है, लेकिन इसी मौसम में वायरल संक्रमण और फ्लू के मामले भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। इसको लेकर दिल्ली स्थित एम्स के मेडिसिन विभाग के डॉक्टर संजीव सिन्हा ने आईएएनएस से खास बातचीत की। उन्होंने कहा कि इन दिनों अस्पताल की ओपीडी में खांसी, जुकाम, बुखार और शरीर दर्द जैसी शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉ. संजीव सिन्हा के मुताबिक, इन दिनों मरीजों में सबसे आम लक्षण गले में खराश, नाक बहना, सूखी खांसी, तेज बुखार, सिरदर्द और पूरे शरीर में दर्द हैं। कई मरीज कमजोरी और थकान की भी शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये लक्षण सामान्य वायरल संक्रमण की तरह लग सकते हैं, लेकिन कई मामलों में यह इन्फ्लूएंजा वायरस का संक्रमण भी हो सकता है। इसलिए लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों में इस संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है। इनमें 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग, पांच साल से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, किडनी की बीमारी, कैंसर या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज शामिल हैं। ऐसे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर होती है, इसलिए उनमें संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को तेज बुखार, लगातार खांसी, गले में दर्द और शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें, खासकर यदि वह हाई रिस्क श्रेणी में आता है, तो उसे तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जांच और इलाज डॉक्टर की सलाह के अनुसार शुरू करना बेहद जरूरी है। डॉ. सिन्हा ने बताया कि शुरुआत में डॉक्टर मरीज के लक्षणों के आधार पर क्लिनिकल डायग्नोसिस करते हैं।

बच्चों की बातचीत का पैटर्न बताता है भविष्य में कैसी रहेगी उनकी मेंटल हेल्थ, नए शोध में खुलासा

क्या किसी बच्चे के बोलने के तरीके से यह पता लगाया जा सकता है कि भविष्य में उसे डिप्रेशन या एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं हो सकती हैं? सुनने में यह बात थोड़ी हैरान करने वाली लग सकती है, लेकिन एक नए शोध में कुछ ऐसा ही सामने आया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चे क्या बोलते हैं, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वे कैसे बोलते हैं। यानी उनके शब्दों को जोड़ने का तरीका, वाक्य बनाने का अंदाज और बातचीत की शैली भविष्य में उनकी मानसिक सेहत के बारे में अहम संकेत देती है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल नेचर मेंटल हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। इसमें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 9 से 13 साल की उम्र के 200 से ज्यादा बच्चों का अध्ययन किया। बच्चों से उनके जीवन में हुई तनावपूर्ण घटनाओं के बारे में लगभग डेढ़ घंटे तक बातचीत की गई। इन इंटरव्यू की रिकॉर्डिंग को बाद में चार नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग सिस्टम से विश्लेषित किया गया। सभी मॉडल्स इस बात का काफी सटीक अनुमान लगाने में सफल रहे कि अगले छह सालों में किन बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विकसित होने की संभावना है। शोध के प्रमुख लेखक और स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड साइंसेज में न्यूरोसाइंस के डॉक्टरेट स्टूडेंट चेस एंटोनैकी के अनुसार, यह अध्ययन इस बात का मजबूत प्रमाण है कि भविष्य में ऐसे आसान और बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जा सकने वाले उपकरण विकसित किए जा सकते हैं, जो बीमारी सामने आने से पहले ही जोखिम वाले बच्चों की पहचान कर सकें। शोधकर्ताओं ने पाया कि बच्चों की बातचीत का स्टाइल, यानी वे "और", "लेकिन", "से", "तक" जैसे छोटे-छोटे जोड़ने वाले शब्दों का कितना और कैसे इस्तेमाल करते हैं, यह उनके मानसिक स्वास्थ्य का ज्यादा सटीक संकेत देता है। वहीं उन्होंने किस घटना का जिक्र किया, यह अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण साबित हुआ। किशोरावस्था के समय डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी समस्याएं अक्सर शुरू होती हैं। एक बार ये बीमारियां विकसित हो जाएं तो उनका इलाज आसान नहीं होता। ऐसे में अगर पहले ही यह पता चल जाए कि कौन-सा बच्चा जोखिम में है, तो समय रहते उसकी काउंसलिंग और मदद की जा सकती है। यह अध्ययन स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में कई वर्षों से चल रही एक दीर्घकालिक रिसर्च का हिस्सा है।

आयुर्वेद में नाभि में तेल लगाना माना गया है फायदेमंद

आयुर्वेद में नाभि को शरीर का केंद्र बिंदु और ऊर्जा का मुख्य स्रोत माना गया है। गर्भ अवस्था के दौरान एक बच्चा नाभि के जरिए ही अपनी मां से सभी जरूरी पोषक तत्व प्राप्त करता है। हमारे शरीर की लगभग 72,000 नसें नाभि से जुड़ी होती हैं। यही वजह है कि आयुर्वेद में नाभि में तेल लगाने जिसे 'नाभि पूरण' या 'पेचोटी थेरेपी' कहा जाता है को बेहद असरदार स्वास्थ्य उपाय माना गया है। नाभि में तेल लगाने से स्वास्थ को कई तरह के फायदे होते हैं। चलिए जानते हैं नाभि में तेल लगाने से क्या क्या फायदे होते हैं और कौन से तेल लगाना चाहिए।

नाभि में तेल लगाने से फटे होंठ, रूखी त्वचा और फटी एड़ियों की समस्या से राहत मिलती है। बादाम या नीम का तेल लगाने से कील-मुहांसे, डार्क सर्कल्स और चेहरे का कालापन कम होता है। वहीं अगर नारियल का तेल नाभि में लगाने से बालों का झड़ना कम होता है और उनकी प्राकृतिक चमक लौटती है।

सरसों या हींग मिला तेल नाभि में लगाने से गैस, ब्लोटिंग, कब्ज और पेट दर्द में तुरंत आराम मिलता है। यह पाचन अग्नि को एक्टिव करता है, जिससे खाना सही तरीके से पचता है।

रात को सोने से पहले नाभि में तेल लगाने से नर्वस सिस्टम शांत होता है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। यह थेरेपी दिमाग को सुकून देती है, जिससे गहरी और अच्छी नींद आती है। सर्दियों में तिल या सरसों का तेल नाभि में लगाने से जोड़ों का दर्द और शरीर की अकड़न दूर होती है।

महिलाओं को पीरियड्स के दौरान होने वाले पेट और कमर के ऐंठन में तिल का तेल लगाने से काफी आराम मिलता है। यह पुरुषों और महिलाओं दोनों के प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और हार्मोनल असंतुलन को ठीक करने में मदद करता है।

मणिचक्र को एक्टिव करता है ये आसन, रक्त संचार को भी नियंत्रित करने में करता है मदद

दफ्तर में घंटों कुर्सी पर बैठने से शरीर में अकड़न, कमर दर्द और पीठ दर्द होना आम है। इससे निजात पाने के लिए व्याघ्रासन एक सटीक, सरल और असरदार समाधान है। इसको करने से पेट कम होता है और शरीर में नई ऊर्जा आती है। व्याघ्रासन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा बाघ के समान होती है, जिस वजह से इसे टाइगर पोज भी कहा जाता है। यह मुद्रा ऊर्जा को नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण तरीके से प्रवाहित करने में भी सहायक है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, व्याघ्रासन (टाइगर पोज) रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाने, कमर दर्द व साइटिका से राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है। व्याघ्रासन को करते समय पेट के अंगों पर पड़ने वाले हल्के दबाव से पाचन तंत्र सक्रिय होता है, जिससे गैस और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। नियमित अभ्यास से भोजन का पाचन बेहतर होता है और भूख सही समय पर लगती है। व्याघ्रासन (टाइगर पोज) मणिपुर (सोलर प्लेक्सस चक्र) और स्वाधिष्ठान चक्र (सैक्रल चक्र) को उत्तेजित करता है। यह आसन आत्मविश्वास, आंतरिक शक्ति और सशक्तीकरण की भावना को बढ़ाता है। यह शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाता है। इस आसन से शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व अच्छी तरह पहुंचते हैं, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और थकान कम होती है। खासकर पैरों, हाथों और पीठ की मांसपेशियां व्याघ्रासन से मजबूत बनती हैं। बेहतर रक्त संचार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और आप लंबे समय तक स्वस्थ बने रहते हैं। व्याघ्रासन करने के लिए योगा मैट पर घुटनों के बल बैठ जाएं और हथेलियों को जमीन पर टिका लें ताकि शरीर का भार हाथों और घुटनों पर आ जाए। अब गहरी सांस लें, सामने देखें और अपनी दाईं टांग को पीछे की ओर सीधा उठाएं। साथ ही, अपनी गर्दन को ऊपर की ओर खींचें। इसके बाद, सांस छोड़ते हुए उस दाईं टांग को मोड़कर अपनी छाती की तरफ लाएं और पीठ को ऊपर की ओर गोलाई में झुकाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड तक सामान्य रूप से सांस लेते हुए संतुलन बनाए रखें। इसके बाद धीरे-धीरे प्रारंभिक अवस्था में लौट आएं और यही प्रक्रिया दूसरी टांग से दोहराएं।

बहुत ज्यादा चिया सीड्स सेवन करने से सेहत को हो सकते हैं बड़े नुकसान, यहां जान लें साइड इफेक्ट्स

चिया सीड्स को न्यूट्रिएंट्स का पावरहाउस माना जाता है। इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर, प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। स्वास्थ्य लाभों के कारण लोग इसे अपनी डाइट में तेजी से शामिल कर रहे हैं। लेकिन जैसा कि कहावत है "अति सर्वत्र वर्जयेत" यानी किसी भी चीज की अति नुकसान पहुंचाती है। चिया सीड्स के अत्यधिक सेवन से सेहत को गंभीर नुकसान हो सकते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि बहुत ज्यादा चिया सीड्स का सेवन करने से क्या नुकसान होते हैं। चिया सीड्स में फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। यदि आप अचानक या बहुत अधिक मात्रा में चिया सीड्स का सेवन करने लगते हैं, तो आपका पाचन तंत्र इसे पचाने में असमर्थ हो सकता है। इससे पेट में गैस, ब्लोटिंग, ऐंठन, दस्त या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। चिया सीड्स अपने वजन से 10 से 12 गुना अधिक पानी सोख सकते हैं। यदि आप इन्हें सूखा खाते हैं और तुरंत पानी पीते हैं, तो ये गले या भोजन की नली में जाकर फूल जाते हैं। इससे गले में रुकावट या दम घुटने का खतरा बन सकता है। इसलिए इन्हें हमेशा पानी में भिगोकर सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए। चिया सीड्स में प्रचुर मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो प्राकृतिक रूप से खून को पतला करता है और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। हालांकि, यदि हाई बीपी की दवा ले रहे लोग इसका अत्यधिक सेवन करते हैं, तो उनका ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक गिर सकता है। चिया सीड्स में मौजूद फाइबर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

खून में घुले प्यूरिन को छानकर बाहर निकालता है ये काला बीज

यूरिक एसिड बढ़ने से जोड़ों में दर्द होना, उंगलियों में सूजन और पैरों और हाथों की उंगलियों में चुभन वाला दर्द होने लगता है। ऐसे में दवाइयों के साथ-साथ कुछ घरेलू नुस्खों को आजमाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। बता दें, अलसी का बीज यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में कारगर है। जानें, अलसी का बीज किस तरह से यूरिक एसिड को कंट्रोल करता है, इसका सेवन किस समय और कितना करना चाहिए ये भी बताएंगे। अलसी के बीज में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। यही पोषक तत्व शरीर में बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का काम करते हैं। अलसी के तेल में एंटी इन्फ्लामेट्री गुण होते हैं जो हाई यूरिक एसिड के कारण होने वाले दर्द में मदद कर सकते हैं। अलसी के बीज वजन को घटाने में कारगर हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और प्रोटीन होता है। अगर आप इन्हें खाएंगे तो ये आपकी भूख को कंट्रोल करने में मदद करेगा। बहुत की कम लोग इस बात को जानते होंगे कि अलसी में मौजूद फाइबर पाचन की प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे हार्मोन नियंत्रित रहता है जो आपकी भूख को शांत करने का काम करता है। लिहाजा आपका पेट भरा-भरा लगता है और वजन अपने आप घटने लगता है।

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है दालचीनी, मेथी और हल्दी का मिश्रण, मिल सकते हैं ये बेनिफिट्स

भारतीय रसोई में पाए जाने वाले मसाले केवल स्वाद बढ़ाने के काम नहीं आते, बल्कि ये औषधीय गुणों का खजाना हैं। जब दालचीनी, मेथी और हल्दी को एक साथ मिलाया जाता है, तो यह मिश्रण शरीर के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होता। तीनों ही मसालों में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण प्रचुर मात्रा में होते हैं। अगर आप इस नेचुरल कॉम्बिनेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपको सेहत से जुड़े कई बेमिसाल फायदे मिल सकते हैं। यहां हम आपको इसके हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह मिश्रण बेहद फायदेमंद माना जाता है। दालचीनी शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाती है, जबकि मेथी के बीज में मौजूद घुलनशील फाइबर शर्करा के अवशोषण को धीमा कर देते हैं। हल्दी का 'कर्क्यूमिन' घटक ब्लड ग्लूकोज लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है। पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे गैस, ब्लोटिंग, अपच और कब्ज में यह मिश्रण बहुत राहत देता है। मेथी पेट की आंतों को साफ करने और टॉक्सिन्स बाहर निकालने का काम करती है। वहीं, हल्दी और दालचीनी पाचन एंजाइम्स को एक्टिव करते हैं, जिससे खाना आसानी से पचता है। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों का दर्द या गठिया एक आम समस्या बन जाती है। हल्दी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की अंदरूनी सूजन को कम करते हैं। दालचीनी और मेथी के साथ मिलकर यह मिश्रण हड्डियों और मांसपेशियों के दर्द से नेचुरल तरीके से राहत दिलाने में मदद करता है। रोज सुबह खाली पेट आधा चम्मच गुनगुने पानी के साथ लें।

आपकी उम्र में रोज कितना चलना सेहत के लिए अच्छा माना गया है

सबसे आसान एक्सरसाइज अगर कुछ है तो वो है वॉक। जी हां वॉक किसी भी उम्र में किया जाने वाला सबसे आसान व्यायाम है। वॉक करने से न सिर्फ मोटापा कम होता है बल्कि कई बीमारियां भी शरीर से दूर भाग जाती हैं। वैसे तो एक इंसान को दिन में 10 हजार कदम चलने की सलाह दी जाती है, जिसे पूरा करने के लिए आपको रोजाना कम से कम 1 घंटा वॉक करना जरूरी है। लेकिन उम्र के हिसाब से वॉक आपके लिए कम या ज्यादा भी हो सकती है।

आइये जानते हैं कि आपकी उम्र में आपको रोज कितनी देर वॉक करनी चाहिए। जिससे आप लंबे समय तक बीमारियों के खतरे को दूर रख सकें और शरीर को फिट बना सकें? अपने शरीर को फिट रखने के लिए दिन में किसी भी वक्त थोड़ा समय जरूर निकालें।उम्र के हिसाब से अगर बात करें तो 5 से 7 साल के जो बच्चे हैं उन्हें रोजाना कम से कम 12000 से 15000 स्टेप्स जरूर चलने चाहिए।

अगर आप 18 से 40 साल के युवा हैं तो आपको हर रोज कम से कम 12000 कदम जरूर चलने चाहिए। 40 साल के इंसान को रोजाना करीब 11000 कदम जरूर चलने चाहिए। वहीं 50 साल के इंसान को रोज 10000 कदम चलने चाहिए। 60 साल के पार पहुंच चुके हैं तो आपको 8000 कदम पूरे दिन में पूरे करने चाहिए।

शारीरिक और मानसिक शांति के लिए करें योगमुद्रासन, जानें इसके लाभ

आज की व्यस्त जीवनशैली में जहां तनाव, कब्ज और पीठ दर्द जैसी शारीरिक समस्याएं आम हो गई हैं, वहां योगमुद्रासन एक संजीवनी की तरह काम करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क संतुलित रहता है। यह एक ऐसी योग मुद्रा है, जिसे दो शब्दों 'योग', यानी 'जोड़ना', और 'मुद्रा', यानी 'प्रतीक', से मिलकर बनाया गया है, जबकि अंग्रेजी में इसे 'साइकिक यूनियन पोज' कहते हैं, जिसका हिन्दी भाषा में अर्थ 'मानस को जोड़ना' होता है। योग मुद्रासन, असल में, शरीर और मन के बीच अंतर को मिटाकर सामंजस्य स्थापित करने वाला योगासन है। इस आसन करने के दौरान शरीर ध्यान, समर्पण और आंतरिक शांति की स्थिति में जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगासन को लेकर कुछ गाइडलाइन्स दिए हैं, जिसके अनुसार, यह पेट के अंगों को सक्रिय, पाचन में सुधार और मन को शांत करने में मदद करता है।

इसके अभ्यास से पेल्विक मसल्स मजबूत होती और महिलाओं में प्रजनन अंगों से संबंधित समस्याओं को कम किया जा सकता है। लंबे समय तक इस आसन का अभ्यास करने से शरीर और दिमाग में स्थिरता और एकाग्रता बढ़ती है।

हाथों की लटकती चर्बी, थुलथुल पेट और जांघों से पाना है छुटकारा तो इन ड्रिंक्स का करें सेवन

इन दिनों वजन बढ़ने से ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं। देश-दुनिया में मोटापा एक महामारी की तरह बढ़ रहा है। बढ़ते मोटापे के पीछे बिगड़ा हुआ खानपान, एक्सरसाइज की कमी जैसे अनियमिति और खराब लाइफ स्टाइल जिम्मेदार है। ऐसे में अगर आप मोटापा कम करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपना डाइट बेहतर करें। अपनी डाइट में फाइबर, प्रोटीन से भरपूर फूड्स शामिल करें। रोज़ाना कम से कम 30 मिनट तक एक्सरसाइज़ करें। इसके साथ ही आप इन कुछ ड्रिंक्स का खाली पेट सेवन करें।अच्छी डाइट, बेहतरीन एक्सरसाइज़ के साथ इनके सेवन से आप मोटापा तेजी से कम कर सकते हैं।

नींबू और शहद का पानीः नींबू का रस विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, और शहद पाचन को शांत करता है। सुबह सबसे पहले इसे पीने से वजन कम होता है। 1 गिलास गर्म पानी। 1/2 नींबू का रस, 1 चम्मच शहद को एक साथ मिलाएं और खाली पेट पिएं। स्वाद बढ़ाने के लिए आप नींबू के टुकड़े या पुदीने के पत्ते भी डाल सकते हैं।

खीरा और पुदीना डिटॉक्स पानीः खीरा और पुदीना का कॉम्बो बॉडी को हाइड्रेटेड रखने का कमा करता है। खीरा विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है जबकि पुदीना पाचन को शांत करता है। आप जितना ज्यादा इस पानी को पिएंगे, वज़न उतना ही कम होगा। 1 लीटर पानी में खीरे और पुदीने को मसल कर डालें। अब उसके बाद नींबू का रस डालें और इसे रात भर के लिए भिगो दें। इस डिटॉक्स पानी को पूरे दिन ठंडा करके पिएँ।

आंवला जूसः आंवला में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस जैसे मिनिरल्स होते हैं। ताज़ा आंवला जूस पीने से ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। 1 कप पानी में आंवला और स्वादानुसार गुड़ मिलाएँ। ऊर्जा को स्थिर रखने और वसा को जलाने के लिए रोज़ाना एक गिलास पिएँ।

सौंफ़ का पानीः सौंफ़ में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट प्लांट कंपाउंड जिसे एनेथोल कहा जाता है, विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। यह स्वस्थ तरीके से वज़न कम करता है। 1 कप पानी में सौंफ डालकर रात भर के लिए छोड़ दें।

सुबह छान लें और खाने से 30 मिनट पहले इस पानी को पी लें। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि कोई भी एक ड्रिंक अपने आप वजन कम नहीं कर सकती। वजन घटाने का सबसे प्रभावी तरीका संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और कैलोरी संतुलन बनाए रखना है। ये पेय केवल स्वस्थ जीवनशैली का पूरक हो सकते हैं, न कि उसका विकल्प। एक कप ग्रीन टी में थोड़ा कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर 2–3 मिनट तक उबालें और बिना अधिक चीनी मिलाए सेवन करें।

साधु के वेष में संसद में प्रदर्शन पप्पू यादव पर पड़ा भारी, शिकायत दर्ज कराने पहुंचीं BJP सांसद बांसुरी स्वराज

संसद में साधु के वेश में पहुंचकर चंदा चोरी का नाटक करना सांसद पप्पू यादव को महंगा पड़ा गया है। दरअसल, BJP ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नई दिल्ली में पप्पू यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने DCP ऑफिस पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इसके अलावा, वाराणसी में भी पप्पू यादव के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। इस FIR में राहुल गांधी और फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का भी नाम है।

बांसुरी स्वराज ने कहा कि पप्पू यादव ने सनातन संस्कृति का उपहास उड़ाया है। बांसुरी स्वराज ने राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद को भी पप्पू यादव के नाटक में साथ देने पर सवाल खड़े किए और कहा कि इन लोगों ने सनातन का अपमान किया है।

इधर देशभर के साधु-संत संसद परिसर में शुक्रवार को हुए पप्पू यादव के ड्रामे से नाराज हैं। वाराणसी में पप्पू यादव के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। संतों की तहरीर पर ये मुकदमा दर्ज किया गया है।

कोतवाली थाने में केस रजिस्टर हुआ है। संतों ने धार्मिक भावना आहत किए जाने के आरोप में FIR दर्ज कराई है। दिल्ली के जहांगीरपुरी में भी पप्पू यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

पीएम मोदी ने की युवाओं की जमकर तारीफ, मैसूर में बोले - "युवा हैं देश की सबसे बड़ी ताकत"

मैसूरु के श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र (विवेक स्मारक) के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत के युवा मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन और डिजिटल इकॉनमी में देश की तेजी से हो रही तरक्की के पीछे मुख्य ड्राइविंग फ़ोर्स बनकर उभरे हैं। स्वामी विवेकानंद के विज़न का ज़िक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने ज़ोर दिया कि शिक्षा, बराबरी और सेवा देश की तरक्की की बुनियाद हैं। प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, मोबाइल प्रोडक्शन और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए ग्लोबल हब के तौर पर भारत के उभरने का क्रेडिट सीधे तौर पर इसके युवाओं की काबिलियत को दिया। सूर में स्वामी विवेकानंद कल्चरल यूथ सेंटर विवेका स्मारक के उद्घाटन के मौके पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज, भारत अपने युवाओं की ताकत की वजह से सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के अपने नए सफ़र में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। आज, भारत की इकॉनमी दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली इकॉनमी में से एक है, और यह भी भारत के युवाओं की ताकत की वजह से है। भारत अब अपने युवाओं की ताकत की वजह से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है।

रेलवे के पांच बड़े अफसरों की नौकरी से छुट्टी, लापरवाही बरतने पर जबरन VRS दिया गया

नई दिल्ली। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के आदेश पर रेलवे ने इंडियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट कोड के नियमों का इस्तेमाल करते हुए खराब परफॉर्मेंस के कारण पांच अधिकारियों को जबरन रिटायर कर दिया। रेलवे की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय की समीक्षा समितियों ने भारतीय रेलवे स्थापना संहिता, खंड II के नियम 1802 (ए) के अंतर्गत सार्वजनिक हित में पांच समूह 'ए' अधिकारियों की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की है, जो मौलिक नियमों के नियम 56 (जे) के बराबर है। समीक्षा समितियों ने आईआरएचएस के दो एसएजी अधिकारियों, उत्तर रेलवे में आईआरएसई के एक जेएजी अधिकारी, उत्तर रेलवे में आईआरएसई के एक अधिकारी और पश्चिम रेलवे में आईआरटीएस के एक जेएजी अधिकारी की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की है। समीक्षा समितियों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, अधिकारियों के सेवा रिकॉर्ड का विस्तृत मूल्यांकन किया। समीक्षा में वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर), अखंडता रिकॉर्ड, सतर्कता इनपुट, अनुशासनात्मक इतिहास और उनकी सिफारिशों पर पहुंचने से पहले अन्य प्रासंगिक सेवा रिकॉर्ड की जांच शामिल थी। समितियों ने सर्वसम्मति से संबंधित मामलों में सार्वजनिक हित में अधिकारियों की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की। प्रेस रिलीज में बताया गया है कि भारतीय रेलवे भ्रष्टाचार, ईमानदारी की कमी और अक्षमता के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करता है। सार्वजनिक सेवा में ईमानदारी, अनुशासन और जवाबदेही पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

भारतीय रेलवे स्थापना संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत की गई कार्रवाई का उद्देश्य इन मूल मूल्यों को बनाए रखना है। रेलवे ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों से उम्मीद की जाती है कि वे मामले को गंभीरता से लें, क्योंकि प्रशासन ने सेवा के जरूरी मानकों को पूरा न करने वालों के प्रति अपनी 'ज़ीरो-टॉलरेंस' (सख्त कार्रवाई) की नीति को फिर से दोहराया है। इससे पहले रेलवे ने इसी साल मार्च में भी छह लापरवाह अफसरों को जबरन वीआरएस दे दिया था।

जबरन रिटायर किए गए अधिकारियों के पदों में CME/प्रोजेक्ट/HQ, नॉर्दर्न रेलवे; NF-HAG/IRSME, SWR; SAG/ISRE, SECR; SAG/IRSSE, ER; ग्रेड-1 (अंडर सेक्रेटरी/डिप्टी डायरेक्टर), RBSS; और PPS, RBSSS शामिल थे। नियम 1802(a) प्रशासन को जनहित में अधिकारियों को रिटायर करने का अधिकार देता है और यह कदम संकेत देता है कि संगठन के किसी भी स्तर पर खराब प्रदर्शन और अक्षमता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रेल मंत्रालय का कहना है कि समय-समय पर अधिकारियों के सेवा रिकॉर्ड की समीक्षा करना एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता बनाए रखना और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। इस प्रक्रिया के तहत केवल वर्तमान प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि अधिकारी की पूरी सेवा अवधि, कार्यशैली, अनुशासन, सत्यनिष्ठा और विभागीय रिकॉर्ड का समग्र मूल्यांकन किया जाता है।

असम से कश्मीर-गुजरात तक बाढ़ से हाल बेहाल

मानसून देश के कई हिस्सों में तबाही मचा रहा है। जम्मू-कश्मीर से केरल तक बादल फटने से हाहाकार मचा है। गुजरात से ओडिशा तक आसमानी आफत से लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश से उफनते नदी नाले लोगों को डरा रहे हैं।

कश्मीर के शोपियां और किश्तवाड़ में बादल फटने भारी तबाही हुई है। पहाड़ से लेकर मैदान तक सैलाब कैसे कहर बरपा रहा है, इस आर्टिकल में जानिए। कश्मीर से केरल तक मानसून की मूसलाधार बारिश से हाहाकार मचा है। बादल फटने से पहाड़ी इलाकों में भारी तबाही हो रही है तो मैदानी इलाकों में विनाशकारी बाढ़ से त्राहिमाम मचा है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में अचानक आए सैलाब से पूरा का पूरा गांव जलमग्न हो गया तो किश्तवाड़ में बादल फटने से भारी तबाही हुई। लैंडस्लाइड और पहाड़ के दरकने से अमरनाथ यात्रा बाधित है तो सड़कों पर बड़े-बड़े बोल्डर और मलबा आने से चार धाम यात्रा पर भी ब्रेक लग गया। ओडिशा में विनाशकारी बाढ़ से गांव के गांव डूब गए तो केरल में भी मॉनसून कहर बरपा रहा है।

बहन को कैंसर हुआ तो डॉक्टर बनने का लिया संकल्प, कबाड़ीवाले के बेटे ने नीट क्रैक कर पूरा किया सपना

कोटा। कभी-कभी अपनों का दर्द झकझोर देता है। ऐसे में जागरूकता और सामाजिक बदलाव जीवन का लक्ष्य बन जाते हैं। ऐसी ही कहानी है शिक्षा की काशी कोटा के नजदीक कैथून कस्बे के गांव गोदल्याहेडी के छात्र सागर रेगर की। एलन शिक्षा संबल से पढ़कर सागर ने नीट में 564 अंक के साथ 98.6296 परसेन्टाइल हासिल कर ऑल इंडिया रैंक 27157 एवं एससी कैटेगिरी में एआईआर 684 प्राप्त की है। सागर ने कैथून के सरकारी स्कूल से पढ़ाई की और 10वीं में 76 प्रतिशत और 12वीं में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सागर का कहना है कि परिवार बड़ा है, अधिकांश सदस्य निरक्षर हैं। शिक्षा और जागरूकता के अभाव में परिवार के कई लोग नशे की गिरफ्त में हैं। बुआ की बेटी को गुटखे के सेवन के कारण कैंसर हो गया, जिसने मुझे झकझोर दिया। शिक्षा ही समाज को बदलने का सबसे प्रभावी माध्यम है। डॉक्टर बनने के बाद परिवार और समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा के महत्व और नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास करूंगा। सागर ने बताया कि यह सफलता संभव नहीं हो पाती, यदि एलन शिक्षा संबल का सपोर्ट नहीं मिलता। यहां कोटा में पढ़ाई के साथ-साथ रहना और खाना भी निशुल्क मिला। इससे मैं पूरी लगन से सालभर पढ़ाई कर सका और अपना व परिवार का सपना साकार कर सका। पिता ने असमर्थता जता दी थी क्योंकि इतने पैसे नहीं थे। इसके बाद राजकीय विद्यालय कैथून के प्रिंसिपल सर ने मुझे गाइड किया और शिक्षा संबल के बारे में बताया। मुझे परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। मेरा चयन हुआ और वहीं से जीवन बदला। योजना के तहत एलन में नीट की निशुल्क कोचिंग मिली और एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास की ओर से निशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। इस संबंध में एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास के ट्रस्टी व एलन के फाउंडर नवीन माहेश्वरी ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के हिन्दी माध्यम की प्रतिभाओं को आगे लाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम शुरू किया गया।

अजीत डोभाल को मिला लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार, युवाओं से बोले- 'राष्ट्रहित में समर्पित करें अपना जीवन'

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया।

पुणे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल को शनिवार को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिलक स्मारक ट्रस्ट की ओर से दिए जाने वाले इस पुरस्कार को डोभाल को प्रदान किया। सम्मान समारोह के बाद अपने संबोधन में डोभाल ने देश के युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए व्यक्तिगत लाभ और छोटे हितों से ऊपर उठकर देश के निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्रहित के लिए पूरी तरह समर्पित होना चाहिए। युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें छोटे व्यक्तिगत हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अगर ऐसे हित सामने भी आएं तो उन्हें नजरअंदाज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को अपने कर्तव्य और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि भारत अपने इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। देश के सामने एक ऐसा अवसर है, जिसे किसी भी कीमत पर गंवाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि फिलहाल भारत की प्राथमिकता राष्ट्र निर्माण होनी चाहिए। डोभाल ने विश्वास जताया कि देश अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होगा और अपने इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। लोकमान्य तिलक को याद करते हुए डोभाल ने कहा कि वह केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं थे, बल्कि समाज सुधारक और दार्शनिक भी थे। उन्होंने पुणे में प्लेग फैलने के दौरान तिलक के जीवन से जुड़े प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब प्लेग के कारण उनके 21 वर्षीय बेटे की मौत हुई, तब भी तिलक ने पुणे नहीं छोड़ा और वहीं रहकर लोगों के बीच काम किया। डोभाल ने लोकमान्य तिलक के नाम पर मिले इस सम्मान को विनम्रता के साथ स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए गौरव और सम्मान की बात है। सभी उपस्थित अतिथियों का अभिवादन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आयोजकों का आभार यह सम्मान अपने लिए गौरव और विनम्रता का विषय बताया।

पुणे को लोकमान्य तिलक की कर्मभूमि और वीरों व समाज सुधारकों की भूमि बताया।

भारत की स्वतंत्रता केवल एक आंदोलन का परिणाम नहीं, बल्कि अनेक क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का फल है।

युवाओं से लोकमान्य तिलक के विचारों, संघर्ष और राष्ट्रनिर्माण के दृष्टिकोण को समझने का आह्वान किया।

तिलक ने अंग्रेजों के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठाई और देश में स्वराज्य की चेतना जगाई।

तिलक के प्रसिद्ध मंत्र "स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा" को आज भी प्रेरणादायी बताया।

एंटी-पेपर लीक कानून में बदलाव को राष्ट्रपति की मंजूरी, अब तीन महीने के अंदर होगा पेपर माफियाओं का हिसाब

पेपर लीक रोधी कानून में संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही पेपर लीक कानून में अब सजा का प्रावधान और भी कठोर हो गया है। नए प्रावधान के अनुसार पेपर लीक के मामलों में फैसला तीन महीने के अंदर आएगा। वहीं, दोषियों को 10 साल तक की सजा और 10 करोड़ तक का जुर्माना लगाया जाएगा। प्रश्नपत्र लीक रोधी संशोधन विधेयक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा था कि यह विधेयक पेपर लीक के पूरे नेटवर्क को खत्म करने की एक कोशिश है। यह विधेयक परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता बढ़ाएगा। संशोधन विधेयक काफी हंगामे के बाद लोकसभा से पास हुआ था। इस बिल के पास होने के बाद शिक्षा मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा था, ''लोकसभा ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पारित कर दिया है, जिससे परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों से निपटने के लिए एक सख्त कानूनी ढांचा तैयार होगा। सख्त सजा, त्वरित अदालत, जांच के बेहतर तौर-तरीके और परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के प्रावधान वाले इस विधेयक का उद्देश्य प्रश्नपत्र लीक के पूरे नेटवर्क को खत्म करना और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बढ़ाना है।''

हर राज्य में पेपर लीक के मामले की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनेंगे, जहां रोजाना सुनवाई होगी और 90 दिन के अंदर ट्रायल पूरा कर सजा का ऐलान किया जाएगा। 2024 के कानून में 3 से 5 साल तक की सजा का प्रावधान था। अब 5 से 10 साल तक की सजा हो सकती है।

2024 के कानून में पेपर लीक के लिए 10 लाख का जुर्माना लगाया जाता था। अब इसे बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया जाएगा।

पहले सेंट्रल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच करती थी। अब पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा।

2024 के कानून में पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच पूरी करने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं थी, लेकिन अब नए संशोधन में 2 महीने के भीतर जांच पूरी करने की बात कही गई है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने 3 हजार से ज्यादा छात्राओं को बांटी साइकिलें, स्कूल आने-जाने में होगी आसानी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत 9वीं कक्षा में अध्ययनरत 3,000 से अधिक छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पहल बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने, स्कूल तक उनकी सुरक्षित एवं सुगम पहुंच सुनिश्चित करने और उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य चरणबद्ध तरीके से दिल्ली के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 9 में पढ़ने वाली 1.40 लाख से अधिक छात्राओं तक इस योजना का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने सपनों को साकार करने तथा परिवार, दिल्ली और देश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक रविंद्र नेगी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। स्कूल तक पहुंच बेहतर बनाने, उपस्थिति बढ़ाने और लड़कियों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के मकसद से शुरू की गई यह पहल एक बड़े अभियान का पहला चरण है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली कुल 1.40 लाख छात्राओं को एक महीने के भीतर चरणबद्ध तरीके से साइकिलें मिलेंगी। रेखा गुप्ता ने आगे कहा, "हमारा संकल्प है कि यह योजना सरकारी स्कूलों में 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली 1.40 लाख से ज्यादा बेटियों तक पहुंचे।"

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415